Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 209
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार,27 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 हादसे में छात्रा समेत तीन घायल

5 पेट में गैस इतनी बढ़ गई कि लग रहा है अटैक आ 3

7 प्रियंका चोपड़ा ने शेयर कीं अपनी फिल्म 'द

यूपी सरकार व यामानाशी के बीच ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक पर समझौता

ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य की ऊर्जा का आधार- योगी

रोड शो में योगी ने दिया निवेश का आमंत्रण

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने जापान दौरे में गुरुवार को यामानाशी प्रांत स्थित अत्याधुनिक हाइड्रोजन ऊर्जा संयंत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने वहां संचालित पावर-टू-गैस प्रणाली को करीब से देखा और विशेषज्ञों से इसकी कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। यह प्रणाली सौर और पवन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न बिजली को हाइड्रोजन में परिवर्तित करती है। इस हाइड्रोजन का उपयोग ईंधन, ऊर्जा भंडारण और स्वच्छ परिवहन के लिए किया जाता है। इससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है।मुख्यमंत्री ने यामानाशी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य की ऊर्जा का महत्वपूर्ण आधार बन सकता है। यह स्वच्छ ऊर्जा और हरित विकास की दिशा में एक प्रभावी मॉडल है। उत्तर प्रदेश

सरकार भी ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठा रही है। राज्य में औद्योगिक निवेश, अनुसंधान

स्वच्छ ऊर्जा मॉडल देख प्रभावित हुए सीएम

और नई तकनीकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि उत्तर प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार राज्य बन सके। मुख्यमंत्री का यह दौरा जापान के साथ तकनीकी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।इससे उत्तर प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा और ग्रीन मोबिलिटी परियोजनाओं को नई गति मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने शासन की कार्यशैली रिएक्टिव से बदलकर प्रोएक्टिव बनाया है। यही परिवर्तन आज प्रदेश की तेज आर्थिक प्रगति का आधार बना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश व यामानाशी के बीच ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। उत्तर प्रदेश के उच्च तकनीकी संस्थानों के छात्र जापान में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और इस तकनीक को प्रदेश की इंडस्ट्रीपब्लिक ट्रांसपोर्ट और ऊर्जा क्षेत्र में लागू किया जाएगा। यह पहल प्रधानमंत्री मोदी के नेट जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में कई जी 2जी गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट और जी 2बी गवर्नमेंट टू बिजनेस स्तर की बैठकों में भाग लिया, जहां भारतीय दूतावास के सहयोग से जापानी उद्योग समूहों से व्यापक संवाद हुआ। उन्होंने यामानाशी प्रशासन को सक्रिय पहल कर निवेश संवाद को आगे बढ़ाने के लिए विशेष धन्यवाद दिया।मुख्यमंत्री ने रोबोटिक्स को भविष्य की प्रमुख तकनीक बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने बजट में रोबोटिक्स के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की व्यवस्था की है।

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की 8वीं क्लास की सामाजिक विज्ञान किताब पर लगाया प्रतिबंध

जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठ की उन किताबों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर एक अध्याय शामिल है। न्यायालय ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह न्यायपालिका को बदनाम करने के इरादे से की गई सुनियोजित साजिश है, साथ ही अदालत ने भ्रष्टाचार पर अध्याय से संबंधित कक्षा आठ की सभी किताबों, उनकी प्रतियों और डिजिटल स्वरूपों को जब्त करने का आदेश दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, उन्होंने ऐसा आघात किया है, जिससे न्यायपालिका आहत हुई है। एक दिन पहले प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने एनसीईआरटी को सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में अनुचित सामग्री के लिए माफी मांगने और उचित अधिकारियों से परामर्श करके इसे फिर से लिखने की बात कही थी। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली भी शामिल थे। पीठ ने एनसीईआरटी के निदेशक और विद्यालय शिक्षा विभाग के सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया और उनसे पूछा कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों शुरू नहीं की जानी चाहिए। एनसीईआरटी के बुधवार के पत्र का जिक्र करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा, यह (पत्र) अपने आप में गहरी साजिश को दर्शाता है... एक सुनियोजित साजिश।

सार संक्षेप

पत्नी गई थी मायके,राजगीर मिस्त्री ने फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ,(संवाददाता)। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक राजगीर मिस्त्री ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान चिल्लावां गांव निवासी 30 वर्षीय रूपचंद के रूप में हुई है। वह राजगीर मिस्त्री का काम करता था। अपनी पत्नी सोनी, दो साल के बेटे विनायक और मां मीना के साथ रहता था। उसकी मां मीना लोगों के घरों में झाड़ू-पोछा का काम करती हैं। बुधवार को रूपचंद की पत्नी सोनी अपने बच्चे के साथ उन्नाव जिले के कोंइथर गांव स्थित मायके एक शादी समारोह में शामिल होने गई थीं। गुरुवार सुबह उसकी मां मीना भी एलडीए कॉलोनी में झाड़ू-पोछा करने के लिए घर में ताला लगाकर चली गई थीं। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे रूपचंद के मामा रिंकू (गंगानगर, अमौसी निवासी) अपनी बाइक लेने उसके घर पहुंचे। रिंकू की बाइक कई दिनों से रूपचंद के घर में खड़ी थी। उन्होंने घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद पाया और कई बार आवाज दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। फोन करने पर भी रूपचंद ने कॉल रिसीव नहीं किया।

गाजीपुर: ट्रक की चपेट में आने से मां-बेटी समेत तीन लोगों की मौत

गाजीपुर। गाजीपुर जिले के बरेसर क्षेत्र में ट्रक की चपेट में आ जाने से मां-बेटी समेत तीन लोगों की मौत हो गई। इस घटना से नाराज स्थानीय लोगों ने शवों को सड़क पर रखकर रास्ता जाम किया। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि बरेसर थाना क्षेत्र के लखनौली गांव के निकट एक वाहन से आगे निकलने की कोशिश में एक मोटरसाइकिल बालू से लदे ट्रक से टकरा गयी। उन्होंने बताया कि टक्कर लगने से मोटरसाइकिल सवार कुसुम देवी (35) उसकी पुत्री अनन्या (नौ) और भतीजी कृति (सात) गिर गए और ट्रक की चपेट में आ जाने मृत्यु हो गई। सूत्रों ने बताया कि मोटरसाइकिल चला रहा कुसुम देवी का पति रंजीत चौरसिया सड़क के बाहर गिर जाने से बच गया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद ट्रक चालक अपना वाहन छोड़कर भाग गया। सूत्रों ने बताया कि इस घटना से नाराज स्थानीय लोगों ने शवों को सड़क पर रखकर रास्ता जाम कर दिया। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे वरिष्ठ अधिकारियों ने लोगों को समझा बुझाकर रात करीब नौ बजे जाम खत्म कराया। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

एनसीईआरटी विवाद

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, कांग्रेस ने साधा संघ पर निशाना

नई दिल्ली। आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की एक किताब को लेकर उठा विवाद अब राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक और संवैधानिक बहस का मुद्दा बन गया है। सुप्रीम कोर्ट ने ह्यान्यायपालिका में भ्रष्टाचारह्ल शीर्षक वाले अध्याय पर कड़ी नाराजगी जताते हुए किताब के प्रकाशन और वितरण पर तत्काल रोक लगा दी है।इसी के साथ कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि पिछले एक दशक में द्वेषपूर्ण तरीके से पाठ्यपुस्तकों को दोबारा लिखा गया है और मौजूदा विवाद उसी का परिणाम है। यह घटनाक्रम शिक्षा व्यवस्था, अभिव्यक्ति की सीमा और न्यायपालिका की गरिमा जैसे अहम सवालों को केंद्र में ले आया है।गुरुवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की उस किताब पर रोक लगा दी, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ा अध्याय शामिल था। कोर्ट ने इस किताब को छापने और बांटने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया। सुप्रीम कोर्ट ने पहले से वितरित की जा चुकी प्रतियों को वापस लेने और डिजिटल प्लेटफॉर्म से इसकी कॉपियां हटाने का भी आदेश दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह मामला गंभीर है और इसकी गहराई से जांच की जाएगी। अगली सुनवाई 11 मार्च को तय की गई है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह न्यायपालिका को बदनाम करने की ह्लगहरी और सोची-समझी साजिशह्ल प्रतीत होती है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि मामले में अवमानना की कार्रवाई पर विचार किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी के निदेशक और केंद्रीय शिक्षा सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। कोर्ट ने सिलेबस से जुड़ी बैठकों की कार्यवाही, विवादित अध्याय लिखने वाले लेखकों के नाम और उनकी शैक्षणिक योग्यता की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि किताब के प्रिंटेड या डिजिटल संस्करण का वितरण यदि जारी रहता है, तो इसे आदेश का जानबूझकर उल्लंघन माना जाएगा। सभी राज्यों के शिक्षा विभागों को दो सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। साथ ही कोर्ट ने कहा है कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद एक समिति गठित की जाएगी, जो पूरे मामले की पड़ताल कर जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान करेगी। केंद्र और राज्यों के शिक्षा विभाग सुनिश्चित करें कि विवादित किताब, चाहे स्कूलों में हो, छपी हुई हो या डिजिटल रूप में उपलब्ध होकृउसे तुरंत आम पहुंच से हटाया जाए। किताब के प्रिंटेड या डिजिटल संस्करण का वितरण अदालत के आदेश का उल्लंघन माना जाएगा। सभी राज्यों के मुख्य सचिव दो सप्ताह के भीतर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंपें। जांच रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट एक कमेटी गठित करेगा, जो पूरे मामले की गहन जांच कर जिम्मेदार लोगों की पहचान करेगी। इन निर्देशों से स्पष्ट है कि शीर्ष अदालत इस मुद्दे को अत्यंत गंभीरता से देख रही है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बीच कांग्रेस ने आरएसएस पर सीधा हमला बोला है।

अमित शाह 14 मार्च को पंजाब के मोगा में बदलाव रैली को करेंगे संबोधित

चंडीगढ़। केंद्रीय मंत्री अमित शाह 14 मार्च को पंजाब के मोगा में बदलाव रैली को संबोधित करेंगे। भाजपा की पंजाब इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। चंडीगढ़ में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि पंजाब में हर कोई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राज्य में आम आदमी पार्टी (आप) के विश्वसनीय और भरोसेमंद विकल्प के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि लोगों ने आप को सत्ता से बाहर करने का फैसला कर लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा पंजाब की जनता की सेवा करने, राज्य को विकास के पथ पर ले जाने, इसे नशे की समस्या से मुक्त कराने, किसानों के जीवन में बदलाव लाने और भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस रैली को पंजाब में भाजपा के चुनावी अभियान की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है जहां 2027 की शुरूआत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार पर हमला बोलते हुए शर्मा ने आरोप लगाया कि भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। शर्मा ने आरोप लगाया कि पंजाब में अपने चार साल के शासनकाल में आप के नेतृत्व वाली सरकार चुनावी वादों और गारंटी को पूरा करने के बजाय अपने हर वादे से पलट गई तथा यह राज्य में कानून का शासन सुनिश्चित करने में विफल रही है। शर्मा ने आरोप लगाया कि राज्य में मादक पदार्थ, अवैध खनन और भ्रष्टाचार का बोलबाला है। उन्होंने दावा किया, स्वास्थ्य एवं शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है तथा कर्मचारियों को समय पर वेतन और पेंशन नहीं मिल रही है। लंबित भुगतानों के कारण सरकारी बिजली उपक्रम और पंजाब रोडवेज को भारी नुकसान हो रहा है और वे महीनों से वेतन का भुगतान करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि बेअदबी के मामलों में दोषियों को अब तक सजा नहीं मिली है।

भाजपा नेत्री का आकस्मिक निधन, पार्टी में शोक की लहर, प्रदेश अध्यक्ष ने जताया शोक

रतलपुर। छत्तीसगढ़ के इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां भारतीय जनता पार्टी की सक्रिय कार्यकर्ता एवं पूर्वी मंडल कार्यसमिति सदस्य संध्या टांडिया का आकस्मिक निधन हो गया। उनके अचानक चले जाने से स्थानीय संगठन और कार्यकताओं में गहरा शोक व्याप्त है। बताया जा रहा है कि वे लंबे समय से पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही थीं और जगदलपुर

में क्षेत्रीय स्तर पर संगठन को मजबूत करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके निधन की सूचना मिलते ही कार्यकताओं में शोक की लहर है। संध्या टांडिया को संगठन के प्रति समर्पण, सेवाभाव और सहज व्यक्तित्व के लिए जाना जाता था। वे नियमित रूप से पार्टी के कार्यक्रमों, बैठकों और सामाजिक अभियानों में भाग लेती थीं। क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही। स्थानीय स्तर पर वे एक जिम्मेदार और कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में पहचानी जाती थीं, जिन्होंने पार्टी के विचारों को घर-घर तक पहुंचाने का प्रयास किया। किरण सिंहदेव ने संध्या टांडिया के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि माता संतोषी वार्ड, जगदलपुर निवासी संध्या टांडिया का इस तरह अचानक चले जाना पार्टी और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उनका समर्पण और सेवा भावना हमेशा संगठन के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगी। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की।

इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने पीएम मोदी को दिया सप्राइज, भारतीय कपड़े पहनकर किया डिनर

नयी दिल्ली भारत-इजरायल संबंधों में एक नया गर्मजोशी भरा अध्याय जुड़ गया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संयुक्त डिनर से पहले पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर सबको चौंका दिया। उन्होंने एक्स पर हिंदी में पोस्ट किया कि हमारे संयुक्त रात्रिभोज से पहले, मैंने अपने मित्र प्रधानमंत्री मोदी को पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर चौंका दिया।

पीएम नेतन्याहू ने सफेद फुल स्लीव शर्ट के ऊपर लाइट ग्रेध्स्टोन कलर का नेहरू जैकेट (जिसे मोदी जैकेट भी कहते हैं) बैंड कॉलर, स्लीवलेस, टेलर्ड फिट पहने हुए थे।

इसके साथ ही नीचे डार्क फॉर्मल पैंट और काले फॉर्मल जूते। यह इंडियन-वेस्टर्न मिक्स स्टाइल था, जो दोस्ती और सांस्कृतिक सम्मान का शानदार प्रतीक बना। पीएम मोदी ने इस जेस्चर पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बहुत ही शानदार! भारतीय परिधान के प्रति आपका लगाव हमारे देश की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के प्रति आपके सम्मान को दर्शाता है।

पीएम मोदी ने यरुशलम में इजरायली संसद नेसेट के विशेष पूर्ण सत्र को संबोधित किया द्द यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा नेसेट को दिया गया पहला संबोधन है! नेसेट स्पीकर अमीर ओहाना ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और श्स्पीकर ऑफ द नेसेट पदक से सम्मानित किया।

मोदी ने इस पदक को दोनों देशों की स्थायी मित्रता और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों को समर्पित किया।

लखनऊ सिविल कोर्ट में पिस्टल-कारतूस समेत 2 युवक गिरफ्तार

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ सिविल कोर्ट परिसर से 2 युवकों को पिस्टल और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। इनमें से एक आरोपी का केस एनआईए कोर्ट में चल रहा है। पुलिस ने दोनों से पूछताछ कर रही है। कोर्ट परिसर में हथियार ले जाने की मंशा अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार भानु प्रताप यादव राजाजीपुरम इलाके का रहने वाला है। उसका एक मामला एनआईए कोर्ट में विचाराधीन है। गुरुवार को वह कचहरी परिसर में प्रवेश करते समय गेट नंबर-8 पर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से फैक्ट्री मेड .32 बोर पिस्टल और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के मुताबिक वह नशे में था और उसके पास एक ब्रीफकेस भी मिला। प्रारंभिक पूछताछ में उसने पिस्टल को लाइसेंसी बताया, लेकिन मौके पर कोई वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। दूसरा आरोपी लालचंद अमन विहार, ठाकुरगंज क्षेत्र का निवासी है। वह भानु प्रताप यादव के साथ कचहरी परिसर पहुंचा था। पुलिस ने दोनों को एक साथ हिरासत में लिया। फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है कि लालचंद की भूमिका क्या थी और वह किस उद्देश्य से भानु प्रताप के साथ न्यायालय परिसर आया था। कोर्ट परिसर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में पिस्टल और कारतूस के साथ युवकों का पकड़ा जाना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि पुलिस का कहना है कि नियमित चेकिंग और सतर्कता के कारण ही दोनों को समय रहते पकड़ लिया गया। दोनों युवकों को संबंधित थाने ले जाया गया है।

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले शाह का हुंकार, 'भाजपा जीती तो हर घुसपैठिया होगा बाहर'

बंगाल : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के अररिया में पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा की जीत का विश्वास जताते हुए कहा कि सत्ता में आने पर हर एक घुसपैठिये को बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीत दर्ज करेगी और सत्ता में आने के बाद राज्य से हर एक घुसपैठिये को बाहर किया जाएगा। शाह ने यह बात बिहार के अररिया जिले में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। अररिया सीमांचल क्षेत्र में स्थित है, जिसकी सीमा पश्चिम बंगाल से लगती है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में चुनाव नजदीक हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि भाजपा जीतने जा रही है। नई सरकार बनने के बाद हम हर एक घुसपैठिये को बाहर करेंगे।ह्ल गृह मंत्री ने कहा, ह्लघुसपैठियों को बाहर निकालने की प्रक्रिया बिहार, खासकर सीमांचल क्षेत्र से शुरू होगी। हमने पिछले वर्ष विधानसभा चुनाव इसी मुद्दे पर जीता था। विरोधियों द्वारा हमारे एजेंडे की आलोचना किए जाने के बावजूद हमें जनादेश मिला।ह्ल शाह ने कहा कि घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और घुसपैठिये किसी क्षेत्र के जनसांख्यिकीय संतुलन को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वे राशन पर निर्भर रहते हैं और आम लोगों के लिए निर्धारित अन्य लाभों का भी उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और असम ऐसे जनसांख्यिकीय असंतुलन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं। नरेन्द्र मोदी सरकार जनसांख्यिकीय संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। शाह ने अपने संबोधन की शुरूआत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की। उन्होंने कहा, ह्ल1857 का विद्रोह भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम तब माना गया, जब सावरकर ने इस विषय पर एक पुस्तक लिखकर इसे उसी रूप में स्थापित किया।

इंडियन रेलवे ने इंफ्रास्ट्रक्चर के मॉडर्नाइजेशन में तेजी लाने के लिए 871 करोड़ के खास कैपेसिटी और कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है।

गोरखपुर, : भविष्य के लिए तैयार, ज्यादा क्षमता वाला रेल नेटवर्क बनाने की अपनी बदलाव लाने वाली कोशिश को जारी रखते हुए, इंडियन रेलवे ने नॉर्दर्न, सदर्न और ईस्टर्न रेलवे जोन में कई स्ट्रेटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इन प्रोजेक्ट्स का मकसद कोचिंग मेंटेनेंस इकोसिस्टम को मॉडर्न बनाना, ज्यादा भीड़ वाले कॉरिडोर से भीड़ कम करना, ऑपरेशनल रुकावटों को खत्म करना और पैसेंजर और माल ढुलाई दोनों की क्षमता को काफी बढ़ाना है। गंगानगर स्टेशन (फेज-क), नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे में कोच मेंटेनेंस सुविधाओं का डेवलपमेंटः ?174.2644 करोड़ इंडियन रेलवे ने राजस्थान के श्री गंगानगर स्टेशन पर फेज-क के तहत ?174.2644 करोड़ की लागत से कोच मेंटेनेंस सुविधाओं के डेवलपमेंट को मंजूरी दी है। यह प्रोजेक्ट छल्ह और वंदे भारत ट्रेनों सहित मॉडर्न रोलिंग स्टॉक के लिए मेंटेनेंस इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड और डेवलप करने की बड़ी पहल का हिस्सा है। अभी, मौजूदा सुविधाएं मौजूदा ऑपरेशनल जरूरतों को पूरा करती हैं, लेकिन मॉडर्न रेक और नई सेवाओं की बढ़ती शुरूआत के साथ, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी हो गया है। मंजूर किए गए कामों में दो 600-मीटर लंबी वॉशिंग लाइन, तीन 650-मीटर स्टेबलिंग लाइन, दो पिट लाइन, एक व्हील लेथ लाइन और एक 650-मीटर इंजन एस्केप लाइन बनाना शामिल है। 120 मीटर गुणा 24 मीटर का एक सिक लाइन शेड भी बनाया जाएगा। इसके अलावा, वॉशिंग लाइन के ऊपर कन्वेंशनल ओवर हेड इक्विपमेंट (डल्ए) के साथ-साथ सिंक्रोनाइज्ड जैक, फोर्कलिफ्ट, इलेक्ट्रिक ओवरहेड ट्रैवलिंग (एडळ) क्रेन और एक ऑटोमैटिक कोच वॉशिंग प्लांट जैसी मॉडर्न मशीनरी और प्लांट लगाए जाएंगे। चालू होने पर, इस प्रोजेक्ट से हर दिन एवरेज मेंटेनेंस कैपेसिटी में छह और रेक की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जिससे ऑपरेशनल एफिशिएंसी में सुधार होगा, रेक मूवमेंट में आसानी होगी और इस इलाके में और ट्रेन सर्विस शुरू करने में मदद मिलेगी। लालगढ़ (फेज-कक), नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे में कोचिंग मेंटेनेंस सुविधाओं को बढ़ानाः 139.6820 करोड़ बीकानेर इलाके में वंदे भारत और छल्ह सेवाओं के विस्तार से बढ़ती मेंटेनेंस जरूरतों को पूरा करने के लिए, इंडियन रेलवे ने फेज-कक के तहत 139.6820 करोड़ की लागत से लालगढ़, राजस्थान में कोचिंग मेंटेनेंस सुविधाओं को बढ़ाने को मंजूरी दी है। बीकानेर में और बढ़ाने की कम गुंजाइश को देखते हुए, लालगढ़ को एक मॉडर्न, पूरी तरह से इक्विप्ड कोचिंग मेंटेनेंस डिपो के तौर पर डेवलप किया जा रहा है जो एडवांस्ड ट्रेनसेट को हैंडल करने में सक्षम होगा। मंजूर किए गए कामों में 600 मीटर की वॉशिंग लाइन बनाना, चार वॉशिंग लाइनों के ऊपर एक कवर्ड शेड बनाना, सिक लाइन को 120 मीटर गुणा 16 मीटर बढ़ाना, और 1000 स्क्वायर मीटर की सर्विस बिल्डिंग बनाना शामिल है। इस प्रोजेक्ट में वॉशिंग लाइन नंबर चार पर रिट्रैक्टेबल डल्ए लगाना, दो सिंक्रोनाइज्ड कोच लिफ्टिंग सिस्टम, दो ऑटोमैटिक कोच वॉशिंग प्लांट और दो 25-टन एडळ क्रेन लगाना भी शामिल है। इस बढ़ोतरी से और वंदे भारत ट्रेनसेट और दूसरे रोलिंग स्टॉक के मेंटेनेंस की तैयारी काफी बेहतर होगी, जिससे इस इलाके में बेहतर भरोसा, तेज टर्नअराउंड टाइम और बेहतर पैसेंजर सर्विस नतीजे पक्के होंगे। तुरावुरझमरारीकुलम डबलिंग (21.10 ै), दक्षिणी रेलवेः ?450.59 करोड़ केरल में कैपेसिटी बढ़ाने की एक बड़ी पहल में, इंडियन रेलवे ने दक्षिणी रेलवे के 21.10 किलोमीटर लंबे तुरावुरझमरारीकुलम सेक्शन को ?450.59 करोड़ की लागत से डबल करने की मंजूरी दी है। यह सेक्शन स्ट्रेटेजिक रूप से जरूरी एनार्कुलमझ्अलपुझाझ्कयांकुलम कॉरिडोर पर है, जो पोर्ट से जुड़े कार्गो सहित काफी पैसेंजर और माल ढुलाई का ट्रैफिक संभालता है। डबलिंग प्रोजेक्ट से हर दिशा में हर दिन नौ और पैसेंजर ट्रेनें चल सकेंगी और हर साल लगभग 2.88 मिलियन टन माल ढुलाई बढ़ सकेगी। इससे मालगाड़ियों के रुकने का समय भी 17 से 19 मिनट तक और पैसेंजर ट्रेनों के रुकने का समय लगभग 12 से 15 मिनट तक कम हो जाएगा, जिससे समय की भी काफी बचत होगी। यह सेक्शन अभी कैपेसिटी यूटिलाइजेशन के हाई लेवल पर चल रहा है, और डबलिंग से भीड़ कम होगी, पंक्चुएलिटी बढ़ेगी और ओवरऑल कॉरिडोर एफिशिएंसी मजबूत होगी। यह प्रोजेक्ट कोचीन पोर्ट से जुड़ी माल ढुलाई कनेक्टिविटी को भी सपोर्ट करेगा, जिससे लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन आसान होंगे और रीजनल इकोनॉमिक डेवलपमेंट में मदद मिलेगी। कालीपहाड़ी बाईपास लाइन (4.75 ै), ईस्टर्न रेलवेः ?107.10 करोड़ इंडियन रेलवे ने आसनसोल इलाके में ऑपरेशनल दिक्कतों को दूर करने के लिए पश्चिम बंगाल में ईस्टर्न रेलवे के तहत ?107.10 करोड़ की लागत से 4.75 ै लंबी कालीपहाड़ी बाईपास लाइन बनाने की भी मंजूरी दी है। अभी, साउथ ईस्टर्न रेलवे और ईस्टर्न रेलवे के बीच चलने वाली ट्रेनों को इंजन रिवर्सल के लिए आसनसोल यार्ड में घुसना पड़ता है, जिससे जाम लगता है, ऐसी दिक्कतें आती हैं जिनसे बचा जा सकता है और इंफ्रास्ट्रक्चर का सही इस्तेमाल नहीं हो पाता है। प्रस्तावित बाईपास लाइन दोनों जोन के बीच सीधी कनेक्टिविटी देगी, जिससे यार्ड में इंजन रिवर्सल की जरूरत खत्म हो जाएगी। इस प्रोजेक्ट से हर दिन लगभग नौ मालगाड़ियों के लिए लगभग 90 मिनट और आठ कोचिंग ट्रेनों के लिए लगभग 30 मिनट का समय बचने की उम्मीद है। यार्ड में जाम कम करके और ऑपरेशनल आसानी में सुधार करके, यह बाईपास लाइन की क्षमता बढ़ाएगा, टर्नअराउंड टाइम कम करेगा और पूर्वी भारत के सबसे व्यस्त रेलवे इलाकों में से एक में एफिशिएंसी में काफी सुधार करेगा।

संक्षिप्त खबरें

हादसे में छात्रा समेत तीन घायल

बभनान। दो बाइकों की आमने-सामने की सीधी टक्कर में तीन लोग चोटिल हो गए। बाद में उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे में एक बाइक पर सवार हाईस्कूल की छात्रा को गंभीर चोट आई है। इससे परीक्षा केंद्र नहीं पहुंच सकी और परीक्षा छूट गई। जानकारी के अनुसार, कस्बे के शिवाजी नगर वार्ड निवासी कोमल पुत्री बलराम शिव इंटर कॉलेज की हाईस्कूल की छात्रा है। वह बुधवार की सुबह की पाली में अपने रिश्तेदार के साथ बाइक से जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इटवा कुनगाई में परीक्षा देने जा रही थी। बभनान के सोसायटी रोड पर बाइक चला रहे अश्वनी कुमार सामने से आ रहे दूसरे बाइक सवार भगवती कमलापुरी से टकराया गए। हादसे में कोमल के कमर व पैर तो भगवती कमलापुरी के पीठ व हाथ में चोट लगी है। बाइक चालक अश्वनी भी चोटिल हुआ है। चौकी प्रभारी बभनान अजय नाथ कनौजिया ने बताया कि दो बाइकों के टक्कर की सूचना के बाद मौके पर पुलिस भेजी गई थी। मामले की छानबीन की जा रही है।

मारपीट के मामले में दो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बभनान। गौर थाने की पुलिस ने मारपीट के मामले में तीन आरोपियों के नामजद प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के बढ़नी गांव निवासी राम सुभग ने तहरीर में बताया कि मंगलवार की रात 10:30 उनके घर पर आए सांवडीह के रहने वाले विकास चौहान आकर उनके भाभी से बातचीत करने लगे। इस पर उन्होंने रात में बात करने का कारण पूछा तो विकास नाराज होकर मारपीट पर उतारू हो गए। बीच बचाव करने आसपास के लोग पहुंचे तो उसने अपने दोस्तों को फोन करके बुला लिया। कुछ देर बाद उसके तीन साथी लग्जरी कार में सवार होकर आए थे। कार सवार एक युवक पिस्टल से लैस था। बीच बचाव कर रहे उनके गांव के सुमित यादव को जबरन अपनी गाड़ी उठाकर लेते गए। मामले में पुलिस ने विकास चौहान, समर पटेल व तीन अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है।

कानपुर और गोंडा से बसों में... छोटी गाड़ियों में बाजार में पहुंचता है खोआ

बस्ती। त्योहारों पर मिलावटी खोआ का खेल कोई नया नहीं हैं। धंधेबाज भी वही होते हैं, पर इनकी जड़ें इतनी मजबूत हो गई हैं कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग इन्हें तोड़ नहीं पा रहा है। होली करीब आते ही मिलावटी खोआ का खेल फिर तेजी से पनपने लगा है। कानपुर और गोंडा जिले के नवाबगंज से क्विंटलों के खेप रोजाना बस्ती में मिलावटी खोआ की खेप भेजी जा रही है। परिवहन का सबसे सुलभ साधन रोडवेज बस या फिर हाईवे पर दौड़ने वालीं लग्जरी बसें हैं। जानकारी के अनुसार धंधेबाज मिलावटी खोआ को बसों में लादकर पहले से तय प्वाइंट की पर्ची थमा देते हैं। उसपर खोआ लेने वाला का मोबाइल नंबर भी लिखा होता है। बस चालक या परिचालक तय प्वाइंट पर पहुंचने से पहले उपलब्ध कराए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क साधकर खोआ की खेप को उतारकर आगे बढ़ जाते हैं। दूर खड़ा लोकल एजेंट यह सबकुछ देखता रहता है। माहौल अनुकूल होने पर छोटे वाहनों पर खोआ लादकर तय स्थान पर पहुंचा देता है।

सत्यापन में 60 हजार मतदाता मिले डुप्लिकेट

बस्ती। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की भी तैयारियां तेज हो गई हैं। मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का द्वितीय चरण भी अब पूरा होने के कगार पर है। जिले के 1187 ग्राम पंचायतों में पुनरीक्षण कार्य के लिए 1235 बीएलओ लगाए गए हैं। जिनके द्वारा एक-एक मतदाता का सत्यापन कार्य किया गया। प्रथम चरण के पुनरीक्षण के बाद आयोग ने जिले के 6,52,188 मतदाताओं का सटीक विवरण न होने से इनके पुर्नसत्यापन का निर्देश दिया है। इसके बाद पूरी टीम दोबारा सत्यापन में जुट गई है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की सूची में जिले में कुल 29.50 लाख मतदाता शामिल हैं। पहले चरण के पुनरीक्षण में 6,52,188 मतदाता डुप्लीकेट पाए गए। आयोग के निर्देश पर इनका दोबारा सत्यापन शुरू हुआ। 15 अप्रैल को ग्राम पंचायत के मतदाताओं की अंतिम सूची जारी होनी है। इसमें 50 दिन और शेष रह गए हैं।

फायरिंग के मामले में तीन पर नामजद प्राथमिकी

बहादुरपुर। लुंबिनी-दुद्धी मार्ग पर कलवारी थाना क्षेत्र के बेइली में स्थित एक मैरिज हाल के पास मंगलवार की रात हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने तीन नामजद व पांच अज्ञात लोगों पर बुधवार को प्राथमिकी दर्ज की है। बेहली गांव के शिखर सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि मंगलवार की रात करीब आठ बजे वह गांव के सामने मैरिज हाल के पास एक ढाबे पर दोस्तों के साथ खाना खाने के लिए गए थे। वहां पहले से नवनीत, विनीत तथा जुबेर मौजूद थे। उसे देखकर विनीत ने किसी के पास फोन किया। थोड़ी देर में दो गाड़ियों पर पांच-छह अज्ञात लोग आ धमके। गाड़ी रुकते ही वहां पहले से बैठे तीनों व गाड़ियों से आए लोग तमंचे से फायरिंग करते हुए हमला कर दिया। बगल खड़े एक लड़के ने धक्का दे दिया, इससे वह बच गया। छर्रा पैर में लगते हुए निकल गया। वहां मौजूद लोग गुहार लगाते हुए दौड़े तो आरोपी गाड़ियों में सवार होकर भाग गए।

भाकियू टिकैत गुट ने शेखापुर में लगाई पंचायत

भानपुर। किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग लेकर भाकियू टिकैट गुट के किसानों ने रामनगर ब्लॉक के शेखापुर गांव में किसान पंचायत लगाई। पंचायत की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष रामजीत चौधरी व संचालन गंगाराम ने किया। पंचायत में किसानों ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों की टूटी हुई सड़कों को दुरुस्त कराने, होली को देखते हुए 20 वर्ष से कम के युवाओं को दुकानों से शराब और भांग के गोली की बिक्री न किए जाने की मांग की। किसानों ने कमिश्नर और डीएम को संबोधित पांच सूत्री ज्ञापन राजस्व निरीक्षक को सौंपा। किसानों ने छुट्टा पशुओं और बंदरों से फसलों की सुरक्षा कराने, किसानों के बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान कराने की मांग की। इस मौके पर श्याम नरायन सिंह, नायब चौधरी, पारस नाथ गुप्ता, जयशंकर पांडेय, रामकृष्ण चौधरी, रामनयन, संतकुमार भारती आदि मौजूद रहे।

बिजली बिल राहत योजना के चार दिन शेष

बस्ती। जिले में बिजली बिल राहत योजना फ्लाप होती नजर आ रही है। इसमें अब चार दिन और शेष बचे हैं अभी तक एक प्रतिशत भी बकाया वसूली नहीं हो पाई है। यहां के पात्र उपभोक्ताओं को बंपर छूट की यह योजना रास नहीं आई। इसीलिए जिले के महज 31.83 प्रतिशत उपभोक्ता ही इस योजना का लाभ लेने में रूचि दिखाए। छूट के बाद कुल बकाया 553.39 करोड़ के सापेक्ष अभी तक महज 97.19 करोड़ रुपये की वसूली हो पाई है। यह रकम एक प्रतिशत से भी कम है। लंबे समय से बिजली का बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं के लिए शासन स्तर से बंपर छूट के साथ तीन चरणों में बिजली बिल राहत योजना चलाई गई। एक दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक यह योजना क्रमबद्ध चल रही है।

2026 तक प्रतिदिन 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 04025/04026 गोरखपुर-आनन्द विहार टर्मिनल-गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन गोरखपुर से 27 फरवरी से 02 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 28 फरवरी से 03 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04025 गोरखपुर-आनन्द विहार टर्मिनल होली विशेष गाड़ी 27 फरवरी से 02 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन गोरखपुर से 14.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती से 15.12 बजे, गोंडा से 16.30 बजे, ऐशबाग से 19.00 बजे, सीतापुर जं. से 21.55 बजे, शाहजहाँपुर से 23.42 बजे, दूसरे दिन बरेली से 00.57 बजे, रामपुर से 01.47 बजे, मुरादाबाद से 02.50 बजे, हापुड़ से 04.10 बजे तथा गाजियाबाद से 05.12 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनल 06.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 04026 आनन्द विहार टर्मिनल-गोरखपुर होली विशेष गाड़ी 28 फरवरी से 03 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन आनन्द विहार टर्मिनल से 21.05 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 21.45 बजे, हापुड़ से 22.22 बजे, मुरादाबाद से 23.55 बजे, दूसरे दिन रामपुर से 00.29 बजे, बरेली से 01.18 बजे, शाहजहाँपुर से 02.28 बजे, सीतापुर जं. से 05.00 बजे, ऐशबाग से 07.30 बजे, गोंडा से 09.30 बजे तथा बस्ती से 10.42 बजे छूटकर गोरखपुर 12.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 12, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 05 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 02 कोचों सहित कुल 19 कोच लगाये जायेंगे।

समय एवं रेक संरचना के अनुसार चलाई जायेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व पर यात्रियों की मांग पर 04055/04056 बलिया-आनन्द विहार टर्मिनल-बलिया होली विशेष गाड़ी का संचलन बलिया से 05 से 26 मार्च, 2026 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 04 से 25 मार्च, 2026 तक प्रत्येक बुधवार को 04 फेरों के लिये विस्तारित किया गया है। यह गाड़ी पूर्व निर्धारित ठहराव, समय एवं रेक संरचना के अनुसार चलाई जायेगी।

अंगूरीबाग में द ग्रेट खली का क्रेज स्कूल के वार्षिकोत्सव में पहुंचे पहलवान

कानपुर। अंगूरीबाग स्थित एसआरएस ग्लोबल स्कूल के कार्यक्रम में पहुंचे द ग्रेट खली को देखने के लिए प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ी। खली ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया और हाथ हिलाकर सबका अभिवादन किया। फरुर्खाबाद जिले में शहर के अंगूरीबाग स्थित एसआरएस ग्लोबल स्कूल के वार्षिकोत्सव में शामिल होने के लिए पहलवान दिलीप सिंह राणा उर्फ खली बृहस्पतिवार सुबह शामिल होने के लिए पहुंचे। इस दौरान उनकी एक झलक पाने को भीड़ लग गई। पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं, कॉलेज के छात्र-छात्राएं भी उत्सुक दिखाई दिए। खली ने कार से उतरते ही हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन किया। लोग उनके साथ सेल्फी लेने को बेताब नजरआए। कॉलेज के डायरेक्टर सचिन सिंह यादव ने गुलदस्ता भेंट कर खली का स्वागत किया। खली इन दिनों मथुरा के संत प्रेमानंद की शरण में पहुंचने के बाद से फिर चर्चा में हैं।

शादी समारोह से लौट रही पांच महिलाओं को पिकअप ने रौंदा तीन की मौत और दो मेडिकल कॉलेज रेफर

कानपुर। महोबा में शादी का काम निपटाकर घर लौट रही पांच महिला मजदूरों को पिकअप ने कुचल दिया, जिसमें तीन की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। महोबा जिले में कानपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित एक पैलेस में बुधवार की रात आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में खाना बनाकर लौट रहीं पांच महिलाओं को पीछे से आ रही पिकअप ने कुचल दिया। हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायलों को जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर किया गया। हादसे से परिजनों में कोहराम मचा है। शहर के मोहल्ला कल्याण सागर निवासी स्व. फूलचंद्र की पत्नी भगवती (50), डाकबंगला निवासी स्व. बालकिशन की पत्नी गीता (35), भटीपुरा निवासी शंभू की पत्नी तुलसिया (65), अपनी बहू राजकुमारी उर्फ कपूरी (40) व भटीपुरा निवासी कालीचरण की पत्नी श्यामारानी (40) हाईवे स्थित मीना पैलेस में पूड़ी बनाने के लिए मजदूरी पर गईं थीं।

पूर्वांचल का मिनी दुबई है जलालाबाद यहां के पांच हजार से अधिक लोग हैं वहां

वाराणसी। पूर्वांचल के गाजीपुर जिले का जलालाबाद मिनी दुबई है। यहां के पांच हजार से ज्यादा लोग दुबई में है। 20 हजार की आबादी वाले गांव के हर घर से एक या दो व्यक्ति दुबई में काम करते हैं। गांव में ही 10 से ज्यादा भर्ती और प्रशिक्षण केंद्र खुले हैं। गाजीपुर की ग्राम पंचायत

जलालाबाद...इसे पूर्वांचल का मिनी दुबई या फिर गल्फ वाला गांव बोलिए। करीब 20 हजार की आबादी वाले जलालाबाद के लगभग हर घर से एक या दो व्यक्ति इस समय दुबई में काम कर रहा या फिर वहां से लौट चुका है। गांव में झोपड़ियों की जगह लोगों के पक्के मकान बन चुके हैं। घरों में सिर्फ महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग रहते हैं। दो साल के अनुबंध पर दुबई की कंपनियां लोगों की भर्ती करती हैं। गांव के 5 हजार से अधिक लोग इस समय दुबई में बढ़ई, राजमिस्त्री, मजदूर, पुताई का काम कर रहे हैं। करीब 35-40 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पाते हैं। दुबई में 20 साल तक कपड़ों की धुलाई का काम कर चुके राजेंद्र कन्नौजिया का जलालाबाद हाईवे किनारे पक्का मकान बना है। दोनों बेटे सुनील और अनिल पांच साल से दुबई में हैं। उनकी पत्नियां अपने-अपने मकान में रहती हैं। सुनील जेसीबी चलाते हैं। अनिल मजदूरी करते हैं। राजेंद्र कन्नौजिया बताते हैं कि वह सात पहले लौट आए थे। पहले झोपड़ी थी, अब अपना मकान है। भाई विजय बहादुर और उनका गोलू, परिवार के कई लोग दुबई में हैं। मियना बड़ा गांव के कारपेंटर राम नारायण चौहान 2023 से दुबई में हैं। बेटी की शादी के लिए तीन महीने की छुट्टी लेकर गांव आए हैं। शादी हो गई। अब दुबई जाने की तैयारी में हैं। राम नारायण बताते हैं, गांव के एजेंट सुरेंद्र चौहान के माध्यम से पहली बार दुबई गए थे। वहां पर भाई मुंशी, चाचा अच्छे लाल के अलावा परिवार के वकील और बब्बन भी हैं। सभी कारपेंटर का काम करते हैं। राम नारायण बताते हैं कि जिस कंपनी में वो काम करते हैं उसमें ज्यादातर लोग गाजीपुर, बनारस और आजमगढ़ के हैं। हर महीने पत्नी को रुपये भेजते हैं। इसके बाद भी 30 हजार रुपये महीने की बचत हो जाती है। बेटी की शादी है, पति को नहीं मिल रही छुट्टी मियना बड़ा गांव की रीना परेशान हैं। बेटी की शादी 25 अप्रैल को है। तीन साल से पति मुंशी चौहान घर नहीं आए। पति से रोज बात होती है। कागज पूरे नहीं होने के कारण छुट्टी नहीं मिल पा रही। रुपये की दिक्कत नहीं है, मगर पति की वापसी और बेटी की शादी की चिंता है। घर पर ससुर हैं। पति-देवर लौटेंगे तो पड़ेगी मकान की पक्की छत मियना गांव की ऊषा चौहान की दो साल पहले शादी हुई है। पति राजकुमार चौहान और देवर लखन चौहान एक साल पहले दुबई गए थे। वहां पर टाइल्स लगाने का काम करते हैं। ऊषा कहती हैं, पति हर महीने रुपये भेजते हैं। शादी से पहले झोपड़ी थी। पक्का मकान बन गया है। सिर्फ छत पड़नी बाकी है। पति और देवर जब वहां से लौटेंगे तो छत का काम पूरा कराएंगे। 20 साल में बदल गया गांव...अब लोगों के पास पक्के मकान हैं समाजसेवी देवेंद्र सिंह चौहान कहते हैं कि गांव के हर घर से एक या दो व्यक्ति दुबई में है। इनमें सऊदी अरब, बहरीन, कुवैत, यूएई में भी शामिल हैं। लेकिन सबसे ज्यादा दुबई में हैं। वहां पर पैसा अच्छा मिलता है इसीलिए अपने गांव को मिनी दुबई कहते हैं। सरकार की तरफ से लोग इस्त्राइल भी भेजे जा रहे हैं।

खाते में आई रकम लौटाकर निश्चिंत थे पांच पेंशनर

कानपुर। चित्रकूट कोषागार घोटाले में 3.44 करोड़ रुपये डकारने वाले 5 और पेंशनरों को एसआईटी ने जेल भेज दिया है। पैसा लौटाने के बावजूद इनकी संलिप्तता पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई। चित्रकूट जिले मे बहुचर्चित कोषागार घोटाले में मंगलवार को एसआईटी ने जिन पांच और पेंशनरों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इन सभी के खातों में 3.44 करोड़ की धनराशि ट्रांसफर हुई थी। घोटाले का खुलासा होने पर पांचों आरोपियों ने यह रकम बैंक में वापस जमा कर दी थी, लेकिन जांच में संलिप्तता पाए जाने पर कार्रवाई की गई। एसआईटी के अनुसार, नांदी निवासी जीवनलाल, नत्थूराम, पहाड़ी निवासी लल्लू प्रसाद कुशवाहा, कर्वी के ओरा निवासी कैलाश नाथ पांडेय और छेछरिया खुर्द निवासी शिवमंगल के खातों में 3.44 करोड़ रुपये आए थे। सभी ने अक्टूबर माह में दबाव में आकर

रकम वापस जमा कर दी थी। खाते में आई रकम को कर दिया था वापस उन्हें लगा था कि रकम लौटाने के बाद मामला समाप्त हो जाएगा। एसआईटी प्रभारी अरविंद कुमार वर्मा ने बताया, इन पांचों पेंशनर के नाम घोटाले में दर्ज थे और खुलासे के बाद से इनकी तलाश की जा रही थी। यह भी बताया कि इन्होंने जांच के दौरान ही खाते में आई रकम को वापस कर दिया था। अक्तूबर माह में सामने आए था 43.13 करोड़ का घोटाला कोषागार घोटाले का खुलासा अक्टूबर 2025 में हुआ था। जांच में कुल 97 पेंशनरों और कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इसके बाद जांच में 25 बिचौलियों के नाम सामने आए हैं। इसमें से नौ बिचौलिए, 30 पेंशनर और दो कर्मचारी पहले ही जेल जा चुके हैं। अब तक 30 पेंशनरों ने अपने खातों में पहुंची रकम लौटाई है, जिनके खाते में 10 लाख रुपये से अधिक ट्रांसफर नहीं हुए थे। बड़ी रकम वाले 63 पेंशनरों की तलाश जारी एसआईटी अभी उन पेंशनरों तक नहीं पहुंच पाई है, जिनके खातों में बड़ी रकम भेजी गई थी। ऐसे 63 पेंशनरों की तलाश जारी है। इन पेंशनरों के खातों में 10 लाख रुपये से अधिक की धनराशि ट्रांसफर हुई थी। जांच टीम इन सभी आरोपियों को पकड़ने का प्रयास कर रही है। घोटाले की पूरी जांच जारी है।

काशी में 15 से 20 लोगों के बीच ही खेली जा सकती है मसाने की होली

वाराणसी। मणिकर्णिका घाट पर निर्माण कार्यों की वजह से जगह कम होने और जगह-जगह नुकीले सरिये पड़े होने की वजह से सुरक्षा को देखते हुए मसाने की होली में कम लोगों को शामिल होने की अनुमति दी गई है। मणिकर्णिका घाट पर चिता की भस्म से खेले जाने वाली होली के लिए पुलिस प्रशासन इस बार सुरक्षा कारणों के चलते कोविड फामूर्ला लागू कर रही है। नगर निगम से पुलिस पत्राचार भी कर रही है। मणिकर्णिका घाट पर निर्माण कार्यों की वजह से जगह कम होने और जगह-जगह नुकीले सरिये पड़े होने की वजह से सुरक्षा को देखते हुए काशी जोन की पुलिस ने सीमित लोगों के बीच मसाने की होली के लिए सहमति जताई है। 15 से 20 लोगों के बीच ही मसाने की होली खेली जा सकती है। कोविड काल में 25 से 50 लोगों के बीच ही कार्यक्रम या किसी समारोह की अनुमति मिलती थी। कोविड का दौर नहीं है लेकिन मणिकर्णिका घाट की वास्तविक स्थिति को देखते हुए यह तय किया जा रहा है कि 15 से 20 लोग ही मसाने की होली में शामिल हो। परंपरा का निर्वहन करें। पुलिस के अनुसार नगर निगम से भी पत्राचार किया गया है। अभी तक यह निर्णय लिया गया है कि सीमित लोग मसाने की होली में शामिल हो।

भूल गए गेस्ट हाउस की वो काली रात, मायावती का सपा पर बड़ा हमला-बहुजन समाज के असली दुश्मन हैं समाजवादी

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर गेस्ट हाउस कांड की गूंज सुनाई दे रही है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला बोलते हुए उनके चाल, चरित्र और चेहरे को दलित और पिछड़ा वर्ग विरोधी बताया है। मायावती ने साफ शब्दों में कहा कि सपा ने हमेशा बहुजन समाज के महापुरुषों का अपमान किया है और दलितों को सिर्फ वोट बैंक समझा है। मायावती ने 2 जून 1995 की उस खौफनाक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि सपा का दलित विरोधी इतिहास पुराना है। मायावती ने कहा कि 1993 में जब सपा-बसपा का गठबंधन हुआ, तब शर्त थी कि दलितों पर अत्याचार रुकेगा, लेकिन मुलायम सिंह यादव ने अपना रवैया नहीं बदला। 1 जून 1995 को जब बसपा ने समर्थन वापस लिया, तो अगले ही दिन 2 जून को लखनऊ के स्टेट गेस्ट हाउस में उन पर जानलेवा हमला कराया गया। मायावती ने इसे काली क्रूरता करार दिया जो इतिहास के पन्नों में दर्ज है। बसपा प्रमुख ने अखिलेश यादव की घेराबंदी करते हुए सवाल पूछा कि सपा आज भले ही दलितों की बात करे, लेकिन उसने हमेशा कांशीराम जी का तिरस्कार किया है।

सिकासा ग्वालियर को बेस्ट स्टूडेंट्स एक्टिविटी में पहला स्थान

ग्वालियर। सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल के अंतर्गत आने वाली सीए की ग्वालियर शाखा एवं उसकी स्टूडेंट्स विंग सिकासा ग्वालियर ने वर्ष 2025 में उत्कृष्ट कार्य करते हुए क्षेत्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल की है। हाल ही में आयोजित 21वें वार्षिक समारोह में जो चित्तौड़गढ़ में संपन्न हुआ। जिसमें सिकासा ग्वालियर को बेस्ट स्टूडेंट एक्टिविटी ब्रांच श्रेणी में प्रथम स्थान का पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं ग्वालियर ब्रांच को द्वितीय बेस्ट ब्रांच का प्रतिष्ठित खिताब मिला। इस अवसर पर ग्वालियर ब्रांच के अध्यक्ष सीए मयूर गर्ग, निधि अग्रवाल, गगन जैन और विवेक कुमार जैन ने संयुक्त रूप से कहा कि यह उपलब्धि पूरी टीम की सामूहिक मेहनत, अनुशासन और नवाचार का परिणाम है। वहीं स्टूडेंट्स एसोसिएशन (सिकासा) ग्वालियर के अध्यक्ष सीए पंकज शर्मा एवं एग्जीक्यूटिव सदस्य सीए नागेन्द्र सिंह कुशवाह ने इसे विद्यार्थियों की ऊर्जा, समर्पण और टीमवर्क का प्रतीक बताया।

वार्ड 66 में 15 लाख की लागत से स्ट्रीट लाइट का भूमिपूजन

ग्वालियर। नगर निगम के वार्ड क्रमांक 66 की पार्षद ऊषा गिर्राज सिंह गुर्जर द्वारा वार्ड के विकास को गति देने के उद्देश्य से 15 लाख रुपए की लागत से किए जाने वाले स्ट्रीट लाइट एवं पोल स्थापना कार्य का भूमिपूजन बुधवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अहिल्या कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह पाल उपस्थित थे। जबकि विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला महामंत्री गिर्राज सिंह गुर्जर थे। इस अवसर पर पार्षद ऊषा गिर्राज सिंह गुर्जर ने कहा कि स्ट्रीट लाइट एवं पोल स्थापना से क्षेत्र में रात्रिकालीन सुरक्षा, सुगम आवागमन एवं सौंदर्यीकरण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि वार्ड 66 के प्रत्येक क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकता है और आने वाले समय में भी विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

सीपी शर्मा अधिवक्ता पैनल सूची में शामिल

ग्वालियर। दि एमपी स्टेट एग्रो इण्ड.डेव्ह.कार्पो लिमि.द्वारा उच्च न्यायालय ग्वालियर के अधिवक्ता सीपी शर्मा को मध्य प्रदेश राज्य कृषि उद्योग विकास निगम लिमि. पंचानन भवन तृतीय तल मालवीय नगर भोपाल में अधिवक्ताओं की पैनल सूची में शामिल किया गया है। श्री शर्मा के शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है।

सीएस का परीक्षा परिणाम घोषित: नैनिका जैन बनीं कंपनी सेक्रेटरी

■ ग्वालियर

इंस्टीट्यूट आफ कंपनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया (आइसीएसआई) की ओर से सीएस एग्जीक्यूटिव और सीए प्रोफेशनल एग्जाम में भाग लेने वाले उम्मीदवारों के लिए बुधवार का दिन निर्याणक रहा। इस दोनों परीक्षाओं में काफी छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था, जिनमें से कुछ का चयन हो सका। ओवरऑल देखा जाए तो इस बार का रिजल्ट बेहतर नहीं रहा, क्योंकि चयनित होने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम रही। शहर से नैनिका जैन सीएस बनी। यह परीक्षा दिसंबर में आयोजित की गई थी। सफल हुए विद्यार्थियों का कहना है कि हमने अपनी तैयारी की निरंतरता रखी। हर विषय पर फोकस रखा। इंटरनेट मीडिया से दूरी रखी और शादी समारोह व फेस्टिवल छोड़ दिए और केवल पढ़ाई पर अपना फोकस रखा।

ग्वालियर ब्रांच के अध्यक्ष सीए मयूर गर्ग ने बताया कि ओवरऑल की बात करें तो प्रोफेशनल ग्रुप एक में 26.73 प्रतिशत और ग्रुप 2 में 26.67 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए। वहीं इग्जेक्यटिव ग्रुप 1 में 18.03 व ग्रुप 2 में 22.26 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए। जिन बच्चों का इस अटेम्प्ट में नहीं हो सका है अब मन लगा कर जून अटेम्प्ट की तयारी करें। इग्जेक्यटिव और प्रोफेशनल की परीक्षा अब 01 से 07 जून 2026 तक होगी। सीएस इग्जेक्यूटिव एंट्रेनस टेस्ट के नवीन सिलेबस की परीक्षा एक से 4 जून 2026 तक होंगी।

इनका कहना है

'मेरी दोना परीक्षा क्लीयर हो गई हैं। यह मेरा ही सपना था कि मैं सीएस बनूं। अब मैं बैंगलुरू जाकर जॉब करना चाहूंगी। इस परीणाम के कई चीजों को छोड़ा और पढ़ाई पर फोकस किया था।'

नैनिका जैन, सीएस विद्यार्थी

मेरा परिवार डबरा में खेती बाड़ी का काम करता है। मेरे पिता किसान हैं। इसलिए मेरा रुझान कॉर्पोरेट की तरफ रहा और सीएस को चुना। मेरा सेकेंड ग्रुप क्लीयर हो गया है। पहले ग्रुप की परीक्षा जून में दूंगा।'

हेमंत प्रजापति, सीएस विद्यार्थी

इस परीक्षा के लिए सेल्फ स्टडी पर अधिक फोकस दिया। मुझे कॉर्पोरेट का काम पसंद है इसलिए सीएस को चुना।

विधि अग्रवाल, सीएस विद्यार्थी

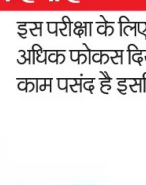

'कॉर्पोरेट सेक्टर मुझे अधिक पसंद है इसलिए सीएस को चुना। मेरा एक ग्रुप क्लीयर हो चुका है। इस परीक्षा के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों पर फोकस किया। सोशल मीडिया जैसी चीजों से दूरी बनाकर रखी।

संस्कृति शर्मा, सीएस विद्यार्थी

ओपीडी में मरीजों की भीड़ को किया जाए नियंत्रण, बच्चों का हो फॉलोअप

■ निरीक्षण कार्य पूरा, अब जिला अस्पताल की रिपोर्ट पर टिकीं सबकी निगाहें

■ ग्वालियर

मुरार जिला अस्पताल में नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स (एनक्यूएएस) के तहत तीन दिवसीय निरीक्षण बुधवार को समाप्त हो गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का बारीकी से जायजा लिया और कुछ कमियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

निरीक्षण दल में शामिल डॉ. अशोक पालीवाल, डॉ. सिजोय विष्णु और डॉ. जीना श्री ने ओपीडी, दवा वितरण केंद्र, एसएनसीयू सहित अन्य विभागों का मूल्यांकन किया। ओपीडी के निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों के कक्षों के बाहर मरीजों की भीड़ देखी गई। टीम ने सुझाव दिया कि मरीजों की आवाजाही को व्यवस्थित करने के लिए बेहतर

प्रबंधन प्रणाली लागू की जाए। वहीं जब ओपीडी प्रभारी के संबंध में जानकारी मांगी गई तो पता चला कि इस पद पर कोई नियुक्ति ही नहीं है। टीम ने ओपीडी प्रभारी नियुक्त करने की आवश्यकता बताई।

दवा वितरण केंद्र में निरीक्षण के दौरान फार्मासिस्ट को दवाओं की समुचित जानकारी रखने और मरीजों को उचित परामर्श देने की सलाह दी गई। एसएनसीयू में भर्ती नवजात शिशुओं के डिस्चार्ज के बाद नियमित फॉलोअप नहीं होने की बात भी सामने आई। इस पर टीम ने कहा कि बच्चों का व्यवस्थित फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए ताकि उपचार की निरंतरता बनी रहे। तीन दिनों तक चले निरीक्षण में अस्पताल की साफ-सफाई, रिकॉर्ड संधारण, उपकरणों की उपलब्धता और सेवाओं की गुणवत्ता की भी समीक्षा की गई। प्रारंभिक तौर पर व्यवस्थाएं काफी हद तक संतोषजनक पाई गईं। यदि अस्पताल को 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त होते हैं तो केंद्र सरकार की ओर से ग्रांट मिलने की संभावना है, जिससे व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया जा सकेगा।

राउंड बढ़ाने से सुधरेंगी व्यवस्थाएं

निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि अस्पताल में चिकित्सकों और अधिकारियों के नियमित राउंड अपेक्षाकृत कम हो रहे हैं। टीम ने सुझाव दिया कि यदि वरिष्ठ चिकित्सक नियमित और अधिक संख्या में राउंड लेंगे तो कई व्यवस्थागत कमियां स्वत: दूर हो सकती हैं।

निरीक्षण से पहले अस्पताल चमका

टीम के आगमन को देखते हुए अस्पताल परिसर में व्यापक साफ-सफाई और व्यवस्थागत सुधार किए गए थे। वार्डों से लेकर गलियारों तक विशेष सजगता दिखाई गई। हालांकि अब सवाल यह है कि ये व्यवस्थाएं निरीक्षण तक ही सीमित रहेंगी या आगे भी इसी स्तर पर कायम रहेंगी।

सिंधी महापंचायत में निपटे तीन घरेलू विवाद के मामले

ग्वालियर। सिंधी महापंचायत ग्रेटर ग्वालियर की दूसरी जनसुनवाई बुधवार को श्री झूलेलाल धर्मशाला, माधौगंज में आयोजित की गई। जिसमें घरेलू विवाद के 3 प्रकरणों की सुनवाई कर निराकरण किया गया। इसके अलावा कई अन्य विषयों पर आई शिकायतों को सुनकर परामर्श दिया गया। महापंचायत के अध्यक्ष कमल माखीजानी ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी महिलाओं को दी गई। शिविर में मौजूद नगर निगम की जनकल्याण अधिकारी पूर्वी अग्रवाल ने उपस्थित महिलाओं को सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर पंचायत के संगठक पीतांबर लोकवानी, पार्षद अनिल सांखला, रवि तोमर एवं विवेक सोनू त्रिपाठी द्वारा अनेक प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया। जिसमें दो वृद्ध महिलाओं की पेंशन का निराकरण कराया गया। इसके अलावा कृष्णा एन्क्लेव, तारागंज के रहवासियों द्वारा सार्वजनिक मंदिर पर कॉलोनाइजर के कब्जे का प्रकरण भी सामने लाया गया। जिस पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन महापंचायत द्वारा दिया गया। महासचिव गोपाल मोटवानी, ओम प्रकाश पारप्यानी, दिलीप पंजवानी, सुरेश खत्री, दिलीप ठाकुर, आनंद करारा, दिलीप गेही, श्याम रोहिरा, शंकर लोकवानी, कैलाश चावला, राजू होतवानी, पं. अनिल महाराज, पं. दीपक महाराज, पं. हरीश महाराज, भगवानदास लखवानी, राजू होतवानी, राजेश कालरा, हर्ष मोरयानी, शंकरलाल पंजवानी, नारू बहरानी आदि उपस्थित थे।

एआई, रसायन विज्ञान व पर्यावरण पर विशेषज्ञों ने रखे विचार

■ आईटीएम में 11वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ

■ ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेस द्वारा दो दिवसीय 11वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस रेस-2026 (रीसेंट एडवांसेस इन केमिकल एंड एनवायरनमेंटल साइंसेस) का शुभारंभ उस्ताद अल्लाउद्दीन खान ऑडिटोरियम में बुधवार को हुआ। सम्मेलन का विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लीकेशंस पर विशेष फोकस रहा।

मुख्य अतिथि प्रो. सौम्य दत्ता ने कहा कि एआई मानव जीवन को सरल बना रही है, लेकिन अत्यधिक डिजिटल निर्भरता मनोवैज्ञानिक चुनौतियां और पर्यावरणीय दबाव बढ़ा सकती हैं। आसंदी से कहा कि विश्व की प्रत्येक वस्तु में रसायन विज्ञान निहित है और एआई जटिल वैज्ञानिक डेटा के विश्लेषण में सहायक सिद्ध हो रही है। उन्होंने संगीत और रसायन विज्ञान के संबंध को भी रेखांकित किया। राजा मानसिंह संगीत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. स्मिता सहस्रबुद्धे ने कहा कि स्वर श्वांस, कंपन और जैव-रासायनिक प्रक्रियाओं के संतुलन से उत्पन्न होता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित प्रेरक गीत भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. योगेश उपाध्याय ने कहा कि ज्ञान का मूल स्रोत मानव चेतना और अनुभव है। एआई एक सहायक साधन है, जिसका उपयोग विवेकपूर्ण दिशा में होना चाहिए। इस अवसर पर प्रो. नीलिमा चंदेल (पूर्व कुलपति, कोटा यूनिवर्सिटी), संयोजक एवं डीन ऋचा कोठारी, प्रो. रंजीत सिंह तोमर, तृप्ति पाठक सहित अन्य उपस्थित रहे।

यूको बैंक ने 2 नई शाखाएं खोली

ग्वालियर, । यूको बैंक ने गत दिवस अपनी 2 नई शाखाओं को न्यू सिटी सेंटर और दीनदयाल नगर में खोला है। इनका शुभारंभ बैंक के महाप्रबंधक अम्बिकानन्द झा द्वारा किया गया। इस अवसर पर ग्वालियर के अंचल प्रबंधक अक्षय कुमार, न्यू सिटी सेंटर शाखा के प्रबंधक आकाश सिंह कौरव, दीनदयाल नगर शाखा के प्रबंधक प्रणव कुमार आदि उपस्थित रहे।

अकादमिया-इंडस्ट्री-फाइनेंस के समन्वय से स्टार्टअप इकोसिस्टम को मिली नई दिशा

■ ग्वालियर

स्मार्ट सिटी इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अकादमिया इंडस्ट्री फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन कॉन्क्लेव का समापन हुआ।

कॉन्क्लेव के पहले दिन अकादमिक इनक्यूबेटर्स कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के इनक्यूबेशन सेंटर्स ने सहभागिता की। इस दौरान शोध सहयोग, तकनीकी मार्गदर्शन, लैब सुविधाओं के उपयोग, प्रतिभा संसाधन और संयुक्त नवाचार पर

विस्तार से चर्चा हुई। स्टार्टअप्स और अकादमिक संस्थानों के बीच दीर्घकालिक सहयोग मॉडल विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। द्वितीय दिवस उद्योग जगत को समर्पित रहा। विभिन्न क्षेत्रों से आए अनुभवी उद्योग संस्थापकों और उद्यमियों ने स्टार्टअप्स को प्रारंभिक चरण में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों जैसे बाजार में प्रवेश, उत्पाद की वैलिडेशन, टीम निर्माण, संचालन प्रबंधन और स्केलेबिलिटी के समाधान साझा किए। तृतीय एवं अंतिम दिवस फाइनेंशियल कॉन्क्लेव के रूप में आयोजित किया गया, जिसमें बैंकिंग क्षेत्र के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने स्टार्टअप्स को विभिन्न वित्तीय अवसरों की जानकारी दी। इस अवसर पर एचडीएफसी बैंक से रीजनल प्रोडक्ट मैनेजर अमित जोशी, बंधन बैंक से असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट युगांतर उपाध्याय एवं एक्सिस बैंक से सीनियर मैनेजरब्रजेश श्रीवास्तव ने केंद्र व राज्य सरकार की स्टार्टअप अनुकूल योजनाओं, ऋण सुविधाओं, कार्यशील पूंजी सहायता, क्रेडिट गारंटी योजनाओं और बैंकिंग उत्पादों पर विस्तृत जानकारी दी।

आत्मनिर्भर भारत के संदेशों के साथ आमजन को किया प्रेरित

■ ग्वालियर

मध्य भारत शिक्षा समिति द्वारा संचालित माधव विधि महाविद्यालय की एनएसएस इकाई के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन का कार्यक्रम उत्साह, अनुशासन एवं राष्ट्रभावना के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात फेरी से हुई। इसके पश्चात योग एवं व्यायाम सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

दिनभर सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नुक्कड़ नाटक तथा विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक विषयों पर जागरूकता का संदेश दिया गया। स्वदेशी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और आत्मनिर्भर भारत के संदेशों के साथ आमजन को प्रेरित किया। शिविर के अंतर्गत आयोजित बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक नीलम तोमर का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अनुशासन, लक्ष्य निर्धारण और निरंतर परिश्रम के महत्व पर प्रकाश डाला।

रेलवे इंस्टीट्यूट ग्वालियर के चुनाव 27-28 को

ग्वालियर। रेलवे कर्मचारियों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों का प्रमुख केंद्र माने जाने वाले रेलवे इंस्टीट्यूट ग्वालियर के द्विवार्षिक चुनाव 27 एवं 28 फरवरी को आयोजित किए जाएंगे। चुनाव को लेकर रेलवे कर्मचारियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इस चुनाव में नॉर्थ सेंट्रल रेलवे मेन्स यूनियन ग्वालियर एक बार फिर पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरी है। नॉर्थ सेंट्रल रेलवे मेन्स यूनियन वर्ष 1998 से लगातार रेलवे इंस्टीट्यूट चुनावों में

विजय हासिल करती आ रही है। यूनियन का दावा है कि उसके नेतृत्व में रेलवे इंस्टीट्यूट ने निरंतर प्रगति की है और कर्मचारियों व उनके परिवारों के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित की गई हैं। इस वर्ष भी यूनियन ने अनुभवी, सक्रिय और समर्पित साथियों का अधिकृत पैनल घोषित किया है। जिसमें शिशिर जायसवाल सचिव, विभोर नारायण-उपाध्यक्ष प्रवीण राघाव-कोषाध्यक्ष, आशुतोष कुमार यादव-सदस्य, देवेंद्र सिंह-सदस्य इदरीश खान-सदस्य, मनीष कुमार मीना-सदस्य, रवि कुमार-सदस्य मैदान में है।

जीवाजी विवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

पृथ्वी संयोग से बनी है, इसे हमको बचाना होगा : प्रो. ठक्कर

■ ग्वालियर

भारत की भू-वैज्ञानिक विरासत विश्व स्तर पर विशिष्ट पहचान रखती है। मध्य प्रदेश में अनेक ऐसे भू-धरोहर स्थल हैं, जो पृथ्वी के करोड़ों वर्ष पुराने इतिहास को संजोए हुए हैं। इन स्थलों का वैज्ञानिक अध्ययन, प्रलेखन और संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। पृथ्वी संयोग से बनीं है, इसे हमको बचाना होगा।

यह बात बुधवार को बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पेलियोसाइंसेज के निदेशक प्रो. महेश जी. ठक्कर ने जीवाजी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ

स्टडीज इन अर्थ साइंस द्वारा मध्य प्रदेश के भूविज्ञान और भू-विरासत स्थलों के प्रबंधन में भारतीय ज्ञान प्रणाली विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि कही। डॉ. सतीश त्रिपाठी, रिटायर्ड प्रो.यूसी सिंह, डॉ.राजकुमार आचार्य, प्रो.विवेक बापट, प्रो.एसएन महापात्रा मंचासीन रहे। प्रो.विवेक बापट के स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रो.एसएन महापात्रा ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. यूसी सिंह ने कहा कि भारतीय परंपरा में प्रकृति को माता के रूप में पूजने की अवधारणा पर्यावरण संरक्षण का मूल आधार रही है।

वक्ता के रूप में उपस्थित भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण भारत के पूर्व उपमहानिदेशक डॉ. सतीश त्रिपाठी ने कहा कि भारत में भू-धरोहर संरक्षण की अपार संभावनाएं हैं, किंतु जागरूकता और नीति-निर्माण के स्तर पर समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल सांस्कृतिक धरोहर नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी अत्यंत समृद्ध है। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारतीय ग्रंथों में पृथ्वी, जल, खनिज और पर्यावरण संरक्षण के जो सिद्धांत वर्णित हैं, वे आज के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ.अर्चना चतुर्वेदी ने किया। कार्यक्रम में दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। जिसमें 10 से अधिक शोध पत्रों का वाचन किया गया।

होली पर मथुरा जाने के लिए आरक्षण फुल, सामान्य टिकट की बिक्री बढ़ी

ग्वालियर। होली के त्यौहार पर मथुरा जाने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इस बार बड़े स्तर पर होली का त्यौहार मनाया जाएगा। इसको देखते हुए ज्यादातर ट्रेनों में आरक्षित श्रेणी के टिकट फुल हो चुके हैं। इसके बावजूद लोग बड़ी संख्या में सामान्य टिकट लेकर ट्रेनों में मथुरा के लिए जा रहे हैं। यही कारण है कि ग्वालियर रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन दो हजार से अधिक टिकटों की बिक्री हो रही है। यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे द्वारा अतिरिक्त टिकट खिड़कियां संचालित की जा रही हैं। ट्रेनों में कन्फर्म टिकट न मिलने पर यात्री अब सामान्य टिकट सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर मथुरा की ओर जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की अच्छी खासी भीड़ चल रही है। अब होली तक इसी तरह से ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ बनी रहेगी। ग्वालियर से मथुरा की दूरी 172 किमी है। ट्रेन से सिर्फ ढाई घंटे का सफर होने के कारण लोग बड़ी संख्या में वहां जा रहे हैं। अभी तक स्टेशन पर सिर्फ तीन जनरल टिकट खिड़कियां खोलकर टिकटों की बिक्री की जा रही थी, लेकिन यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रविवार को एक अतिरिक्त खिड़की खोली गई।

ट्रेनों में नहीं मिली बैठने की जगह, गेट पर बैठकर की यात्रा

होली पर घर जाने के लिए लोगों ने यात्रा करना शुरू कर दिया है। स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। आलम यह रहा है कि ट्रेनों में सीट के लिए मारामारी रही। ग्वालियर बरौनी मेल, खजुराहो उदयपुर इंटरसिटी समेत दिल्ली, लखनऊ, भोपाल की ओर जाने वाली सभी ट्रेनें पूरी तरह भरकर रवाना हुईं। हालात यह रहे कि यात्रियों को ट्रेन में बैठने की जगह नहीं मिली। किसी ने ट्रेन के गेट पर बैठकर तो किसी ने खड़े होकर सफर किया।

संपादकीय

मां तुझे सलाम, यही है असली वंदेमातरम

अपने बेटे को जेल में देखकर भी मां कहे कि हमें आज भगत सिंह की जरूरत है, तो ऐसी मां को हजार सलाम, जो बिना घबराए अपने बेटे को न केवल हौसला दे रही हैं, बल्कि बाकी युवाओं को भी ऐसे अन्याय के खिलाफ खड़े होने का आह्वान कर रही हैं। ऐसी ही एक मिसाल उत्तराखंड के कोटद्वार से आई, जहां जिम प्रशिक्षक दीपक की मां ने उन्हें अन्याय के खिलाफ खड़े होने की परवरिश दी। वंदे मातरम का असली मतलब अगर भाजपा के लोग समझते तो कभी उसे अपनी संकीर्ण मानसिकता के साथ राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल नहीं करते। लेकिन भाजपा के लिए वंदे मातरम का उद्घोष भी वैसा ही है, जैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी मां के संघर्ष को बयां करें। देश से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पर नरेन्द्र मोदी ने न केवल अपनी गरीबी का रोना रोया, बल्कि अपनी मां के संघर्षों का जिक्र कर आंसू बहाए, ताकि सहानुभूति मिल सके। इसके बाद जन्मदिन पर कैमरे के कई एंगल्स के बीच उनके हाथ से प्रसाद खाना या उनके पैरों पर बैठना जैसे उपक्रम भी उन्होंने किए ताकि मां-बेटे के प्यार का राजनीतिक इस्तेमाल हो सके। हालांकि जब तक नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री रहे, उनकी मां का ऐसा सार्वजनिक जिक्र हुआ हो, याद नहीं पड़ता। क्या प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें अपनी मां के करीब होने की जरूरत ज्यादा पड़ी, यह सोचने वाली बात है। नोटबंदी के फैसले को सही ठहराने के लिए प्रधानमंत्री ने अपनी मां को बैंक की कतार में भी खड़ा कर दिया था और जब उनके जीवन के आखिरी दिनों में जब वे आईसीयू में थीं, तब भी कई कैमरों के साथ नरेन्द्र मोदी आईसीयू में पहुंचे थे, यह भी सबने देखा है। उनकी मौत के बाद भी मां की ममता को राजनैतिक फायदे के लिए भुनाने की कोशिशें उन्होंने की, याद कीजिए कि बिहार चुनाव के वक्त वे गयाजी में उनका पिंडदान करने वाले थे, जबकि यह काम पहले उनके भाई वाराणसी में कर चुके थे। दो-दो बार पिंडदान कर मोदी न केवल अपनी दिवंगत मां का अपमान करते, बल्कि हिंदू धर्म का भी अनादर ही होता। लेकिन समरथ को नहीं दोष गुंसाईं को मोदी ने शायद कुछ ज्यादा ही गंभीरता से ले लिया है कि वे कुछ भी करेंगे और सवाल नहीं उठेंगे। बहरहाल, मां के नाम को भुनाने का ताजा उदाहरण नरेन्द्र मोदी ने मेरठ में रैपिड मेट्रो के उद्घाटन पर दिया, जहां भाषण देने के दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निकृष्ट से निकृष्टतम शब्दों का इस्तेमाल कर हमला किया, इसके साथ ही कहा कि कांग्रेस के लोग उनकी मां को अपशब्द कहते हैं। जबकि बिहार चुनाव के दौरान हुए इस प्रकरण में कांग्रेस का हाथ है, ऐसा कहीं साबित नहीं हुआ है। लेकिन इस समय नरेन्द्र मोदी एपस्टीन फाइल्स, अमेरिका से ट्रेड डील, ऑपरेशन सिंदूर पर उठे सवाल, मनरेगा को खत्म करना, हरदीप पुरी को संरक्षण जैसे कई मुद्दों पर इतनी बुरी तरह घिरे हुए हैं कि उनकी बौखलाहट अब खुलकर जाहिर होने लगी है। मोदी को यह समझ नहीं आ रहा कि सार्वजनिक तौर पर रोने-धोने की चालाकी से अब सियासी फायदा नहीं मिलेगा, क्योंकि लोग भी देश की हकीकत देख रहे हैं। और जिन्हें अब तक हकीकत नजर नहीं आई, उन्हें भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शर्ट उतार कर प्रदर्शन कर दिखा दिया कि मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड। इस प्रदर्शन की भाजपा समेत मीडिया के बड़े हिस्से ने खूब आलोचना की, लेकिन इसका कितना व्यापक असर हुआ है, ये मोदी सरकार की घबराहट ने जाहिर कर दिया। उसने पहले कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया, लेकिन गिरफ्तार लोगों ने न डर दिखाया, न आत्मसमर्पण (सरेंडर) किया और न कॉम्प्रोमाइज्ड (दबाव में आकर समझौता) हुए। इसके बाद कांग्रेस पर दबाव बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उसकी सार्वजनिक आलोचना की। कांग्रेस नेताओं को धिक्कारते हुए प्रधानमंत्री ने ये तक कह दिया कि इन्हें शर्म नहीं आती। लेकिन इसके बाद भी कांग्रेस के तेवर ढीले नहीं हुए, बल्कि राहुल गांधी ने तो बाकायदा वीडियो जारी कर बता दिया कि असली शर्म क्या होती है और ये किसे आनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा श्मोदी जी, आप शर्म की बात करते हो? शर्म की बात मैं आपको बताता हूं। एपस्टीन फाइल में आपका, आपके मंत्री और आपके मित्र का नाम साथ में आना, ऐसे घिनौने अपराधी के साथ आपका नाम जुड़ा होना - ये शर्म की बात है। अमेरिका के साथ ट्रेड डील में देश को बेच देना शर्म की बात है। राहुल ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने देश का डेटा दे दिया, किसानों को खत्म कर दिया और टेक्सटाइल इंडस्ट्री को बर्बाद कर दिया।श राहुल ने अडानी पर अमेरिका में चल रहे केस का जिक्र किया और कहा, पूरा देश जानता है कि अडानी केस ने आपकी रातों की नींद उड़ा रखी है। यह भाजपा और आपके फाइनेंशियल आर्किटेक्चर पर केस है। 14 महीनों से कोई कार्रवाई नहीं हुई- ये शर्म की बात है।श राहुल ने कहा, श्मोदी जी, आप अपने मित्रों अनिल अंबानी, अडानी और खुद के लिए जो उचित समझें, वो कीजिए। मैं और कांग्रेस पार्टी के बब्बर शेर देश की रक्षा करते रहेंगे- एक इंच पीछे नहीं हटेंगे। राहुल गांधी ने न केवल नरेन्द्र मोदी को चेतावनी दे दी, बल्कि अपने कार्यकर्ताओं को भी संदेश दे दिया कि वो हर हाल में उनके साथ खड़े हैं। युवा कांग्रेस में इस नए जोश का दिखना जाहिर करता है कि जिस कांग्रेस मुक्त भारत का सपना लेकर मोदी सत्ता में आए थे, वो अब दूर की कौड़ी नहीं बल्कि असंभव ही है।

ए.आई. शिखर सम्मेलन, खुद को बेपर्दा करती कांग्रेस

> क्रांति से शांति तक नामक फोटो प्रदर्शनी नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा, ललितपुर में आयोजित किया गया था, जहां वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड आये, और इसके प्रकारांतर पीएम इन वेटिंग, केपी शर्मा ओली भी पधारे। उस अवसर पर प्रचंड का नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा से क्या संवाद हुआ, वह सार्वजनिक नहीं हुआ है। मगर, बुधवार सुबह प्रचंड ने घोषणा की, कि पहले संसद में विश्वास मत करा लेते हैं, फिर मैं कुर्सी छोड़ूंगा। एक साल 180 दिनों से प्रचंड सत्ता में हैं। तीसरे टर्म प्रधानमंत्री पद पर बने रहना कितना कठिन होता है, उसे यों समझा जाये कि अब तक उन्हें चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा है। आखिरी बार 20 मई, 2024 को प्रचंड को विश्वास मत हासिल करना पड़ा था, तब उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था। बुधवार शाम एमाले ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी।

बलबीर पुंज

कहते हैं घर का भेदी लंका ढाए- आज जब दुनिया भारत को एक उभरती हुई आर्थिक, डिजिटल और कूटनीतिक शक्ति के रूप में देख रही है, तब देश के भीतर का एक राजनीतिक वर्ग जैसे हर राष्ट्रीय उपलब्धि और अपनी जड़ों पर कुल्हाड़ी चलाने पर आमादा दिखाई देता है। भारत की अर्थव्यवस्था, डिजिटल संरचना और कूटनीतिक सक्रियता में हाल के वर्षों में जो परिवर्तन दिखाई दिया है, उसने वैश्विक स्तर पर देश की भूमिका को नए सिरे से परिभाषित किया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) जैसे उभरते क्षेत्रों में नीति-निर्माण और तकनीकी विकास को लेकर भारत की पहल इसी व्यापक परिवर्तन का हिस्सा है। दिल्ली में 16 से 20 फरवरी, 2026 के बीच आयोजित ए.आई. इंपैक्ट समिट 2026 इसी क्रम में एक महत्वपूर्ण पड़ाव था, जिसका उद्देश्य केवल तकनीकी सहयोग नहीं, बल्कि ए.आई. के नैतिक और लोकतांत्रिक उपयोग पर वैश्विक सहमति विकसित करना भी था। लेकिन कांग्रेस नेतृत्व, विशेषकर उसके शीर्ष नेता और नेता-प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी और उनसे प्रेरित कार्यकर्ताओं ने इस अवसर को भी ओछी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। असहमति और विरोध लोकतंत्र में प्राणवायु हैं, परंतु भारत मंडपम के भीतर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया अर्धनग्न प्रदर्शन कोई स्वस्थ लोकतांत्रिक मूल्य नहीं, बल्कि राजनीतिक-वैचारिक खीझ के साथ व्यक्तिगत वैमनस्य का भद्दा प्रदर्शन था। स्वयं राहुल गांधी ने अपने आरोपी कार्यकर्ताओं को बब्बर शेर कहकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को घेरने के लिए वे इसी तरह देश की साख को दांव पर

लगाते रहेंगे। पूरे घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे वैचारिक खोखलेपन का प्रतीक बताया है, तो समाजवादी पार्टी सहित कुछ अग्रिम भाजपा-विरोधी दलों ने भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की इस फूहड़ता से दूरी बना ली है। भारत की छवि को धूमिल और कलंकित करने की यह औपनिवेशिक मानसिकता नई नहीं है। वर्ष 1927 में अमरीकी लेखिका कैथरीन मेयो ने अपनी पुस्तक मदर इंडिया में भारतीय समाज में व्याप्त समस्याओं-जातिवाद, बाल-विवाह, स्वच्छता की कमी आदि को इस तरह प्रस्तुत किया कि मानो भारत स्वशासन के योग्य ही नहीं है। लेखिका का मत था कि आंतरिक विकृतियों से ग्रस्त समाज राजनीतिक स्वतंत्रता के लायक नहीं है। उस किताब को गांधीजी ने नाली निरीक्षक की रिपोर्ट कहकर खारिज कर दिया था। गांधीजी का पक्ष था कि समाज की कमियों को भीतर से सुधारा जा सकता है और यह आंतरिक दायित्व है, न कि उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उछालकर अपने ही राष्ट्र की साख गिराई जाए। आज विडंबना यह है कि गांधीजी की विरासत पर स्वघोषित दावा करने वाला कांग्रेस नेतृत्व स्वयं उसी औपनिवेशिक मानसिकता से जकड़ा है, जहां राजनीतिक द्वेष में एक घटना को भारत के अपने वैश्विक आयोजन की विफलता का प्रमाण मानकर प्रस्तुत किया जा रहा है। ए.आई. शिखर सम्मेलन में एक निजी विश्वविद्यालय द्वारा प्रदर्शित रोबोटिक डॉग, जोकि वास्तव में चीन निर्मित था और उस शैक्षणिक संस्था ने अपने छात्रों की उपलब्धि के रूप में पेश करके दिखाया था, उसे आधार बनाकर राहुल गांधी ने पूरे आयोजन को अव्यवस्थित और तमाशा करार दे दिया। एक निजी शिक्षण संस्थान, जिसे विवाद पश्चात कार्यक्रम से बाहर कर दिया गया था, उसके अपराध को तथाकथित राष्ट्रीय अक्षमता का प्रतीक बना देना वही मानसिकता है, जो कभी मेयो रूपी औपनिवेशिक शक्तियां भारतीय समाज के विरुद्ध इस्तेमाल करती थीं। अतीत में ऐसे अवसर भी आए, जब राजनीतिक मतभेदों के बावजूद राष्ट्रीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी गई। 1994 में जब पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में उठाने की कोशिश की, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हाराव ने तबके विपक्षी नेता अटल बिहारी वाजपेयी को भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सौंपा था। राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए उस समय दलगत राजनीति को दरकिनार कर दिया गया और इसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान का प्रस्ताव विफल हो गया। यह उस राजनीतिक परिपक्वता का उदाहरण था, जो आज दुर्लभ होती जा रही है। अब देश के जिस ए.आई. शिखर सम्मेलन में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एमेजॉन, ओपन ए.आई. और एंथ्रोपिक जैसी शीर्ष वैश्विक तकनीकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सहित अनेकों राष्ट्राध्यक्ष शामिल थे, लगभग 90 देशों ने नई दिल्ली घोषणा को स्वीकार किया और 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई हो, उसे कांग्रेस ने महज सरकारी जनसंपर्क अभियान बताकर खारिज कर दिया। क्या यह सम्मेलन किसी राजनीतिक दल की बजाय भारत का नहीं था? इसी वैश्विक मंच पर भारतीय ए.आई. स्टार्टअप सर्वम ने अपना नया इंडस ए.आई. चौट एप जारी किया, जो 22 भारतीय भाषाओं में संचालित होता है। यह एप कंपनी के 105 बिलियन मानक वाले बड़े भाषाई ढांचे पर आधारित है, जो विशेष रूप से भारतीय उपभोक्ताओं के लिए विकसित किया गया है। यह उस तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ठोस कदम है, जिसकी चर्चा वर्षों से रही है। लेकिन इस पर गौरवान्वित होने की बजाय कांग्रेस प्रेरित इको-सिस्टम पूरे आयोजन को ही बदनाम करने में जुटा रहा। वैश्विक मंचों में यह संतुलन आवश्यक है कि घरेलू आलोचना किस सीमा तक व्यक्त की जाए। यहां सवाल यह नहीं कि मोदी सरकार की आलोचना होनी चाहिए या नहीं, असल सवाल यह है कि क्या असहमति या विरोध के नाम पर देश की प्रतिष्ठा को दांव पर लगाना ठीक है? क्या राजनीतिक खींचतान को अंतर्राष्ट्रीय मंचों तक ले जाना उचित है? स्वतंत्रता के दशकों बाद तक भारत की वैश्विक पहचान को गांधीजी, गरीबी रूपी सामाजिक विषमता, सांप-संपेरों और ताजमहल से जोड़ा जाता था। परंतु आज वही भारत विश्व आर्थिकी, कूटनीति और तकनीकी विमर्श का सहभागी बन चुका है। ए.आई. और जी20 जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजन करने की क्षमता रखता है। विडंबना है कि मोदी सरकार को घेरने की जल्दबाजी में कांग्रेस नेतृत्व ने अपनी कुंठा को देश के सामने रख दिया है।

कार्नी के भारत दौरे में पंजाब दरकिनार, दोषी कौन?

> कनाडा और भारत के बीच 2010 से चल रहे सी.ई.पी.ए. फ्री ट्रेड एग्रीमैंट की द्विपक्षीय बातचीत को और करीब लाने पर भी बातचीत हो रही है। कार्नी का भारत दौरा इसलिए भी जरूरी है क्योंकि पिछले कुछ सालों में भारत और कनाडा के रिश्ते बद से बदतर होते गए थे लेकिन कार्नी ने इन रिश्तों को वापस पटरी पर लाने की पहल की है। उन्होंने चुनाव कैंपेन के दौरान साफ कर दिया था कि वह भारत के साथ मजबूत रिश्ते चाहते हैं। कैनासकस (कनाडा) में हुए जी-7 समिट के लिए भारतीय प्रधानमंत्री को न्यौता भेजकर कार्नी ने दिखा दिया था कि वह खालिस्तानी पार्टियों और उनके मीडिया साथियों के दबाव में नहीं आएंगे और उनके काम कनाडा और कनाडाई लोगों के हितों को सबसे पहले रखकर ही आगे बढ़ेंगे। इस दौरे की एक और खास बात यह है कि पहले जब भी कोई कनाडाई प्रधानमंत्री भारत आया, तो पंजाब भी इस दौरे में एक स्टॉपओवर रहा है। पॉल मार्टिन को छोड़कर, सभी प्रधानमंत्री अपने भारत दौरे के दौरान पंजाब आए लेकिन इस बार कार्नी के दौरे की जो डिटेल्स सामने आई हैं, उनसे यह साफ हो गया है कि प्रधानमंत्री पंजाब में नहीं रुकेंगे। इस फैसले से कनाडा में रहने वाले पंजाबी समुदाय में चर्चा शुरू हो गई है। जब प्रधानमंत्री ऑफिस के स्टाफ से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि मार्क कार्नी का दौरा आध्थक और राजनीतिक मुद्दों को ध्यान में रखकर प्लान किया गया है और वह अक्सर कनाडा में सांस्कृतिक मुद्दों में भी हिस्सा लेते हैं।

मनिंदर सिंह गिल

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भारत दौरे का ऐलान किया है। वह भारत में मुंबई और नई दिल्ली में बिजनैसमैन और पॉलिटिकल लीडर्स से मिलेंगे, जहां कनाडा और भारत के बीच ट्रेड और एनर्जी एग्रीमैंट को बढ़ावा देने पर बातचीत होगी। कनाडा और भारत के बीच 2010 से चल रहे सी.ई.पी.ए. फ्री ट्रेड एग्रीमैंट की द्विपक्षीय बातचीत को और करीब लाने पर भी बातचीत हो रही है। कार्नी का भारत दौरा इसलिए भी जरूरी है क्योंकि पिछले कुछ सालों में भारत और कनाडा के रिश्ते बद से बदतर होते गए थे लेकिन कार्नी ने इन रिश्तों को वापस पटरी पर लाने की पहल की है। उन्होंने चुनाव कैंपेन के दौरान साफ कर दिया था कि वह भारत के साथ मजबूत रिश्ते चाहते हैं। कैनासकस (कनाडा) में हुए जी-7 समिट के लिए भारतीय प्रधानमंत्री को न्यौता भेजकर कार्नी ने दिखा दिया था कि वह खालिस्तानी पार्टियों और उनके मीडिया साथियों के दबाव में नहीं आएंगे और उनके काम कनाडा और कनाडाई लोगों के हितों को सबसे पहले रखकर ही आगे बढ़ेंगे। इस दौरे की एक और खास बात यह है कि पहले जब भी कोई कनाडाई प्रधानमंत्री भारत आया, तो पंजाब भी इस दौरे में एक स्टॉपओवर रहा है। पॉल मार्टिन को छोड़कर, सभी प्रधानमंत्री अपने भारत दौरे के दौरान पंजाब आए लेकिन इस बार कार्नी के दौरे की जो डिटेल्स सामने आई हैं, उनसे यह साफ हो गया है कि प्रधानमंत्री पंजाब में नहीं रुकेंगे। इस फैसले से कनाडा में रहने वाले पंजाबी समुदाय में चर्चा शुरू हो गई है। जब प्रधानमंत्री ऑफिस के स्टाफ से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि मार्क कार्नी का दौरा आध्थक और राजनीतिक मुद्दों को ध्यान में रखकर प्लान किया गया है और वह अक्सर कनाडा में सांस्कृतिक मुद्दों में भी हिस्सा लेते हैं। इन सबके बावजूद, पंजाबी और सिख समुदाय में इस मामले को लेकर थोड़ी निराशा है लेकिन आज जब अंतर्राष्ट्रीय नेताओं के एजैंडे में पंजाब को नजरअंदाज किया जा रहा है, तो सिख कम्युनिटी और पंजाबी कम्युनिटी को मिलकर सोचना होगा कि पंजाब के हाशिए पर जाने की वजह कौन है। पंजाबी समुदाय ने पिछले 100 सालों में कनाडा में अपनी खास पहचान बनाई है और समाज के हर क्षेत्र में अच्छा नाम कमाया है। पंजाबी समुदाय कनाडा में राजनीतिक तौर पर भी बहुत काबिल है, लेकिन पिछले 4 दशकों से फिरकापरस्त खालिस्तानी पार्टियों द्वारा चलाया जा रहा हेट कैंपेन पंजाब और पंजाबियत का दुश्मन बनकर उभरा है। शायद ही किसी और संस्था या विचार ने पंजाब, पंजाबियत और अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी समुदाय का इतना नुकसान किया हो, जितना इन बांटने वाली ताकतों ने किया है। कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद, पंजाबी मूल के कुछ सांसद, जो खालिस्तानी पार्टियों के सपोर्टर हैं या उनसे वोट पाने के लिए बेचैन हैं, उन्होंने कार्नी का विरोध करना शुरू कर दिया, चाहे वह प्रधानमंत्री मोदी का कनाडा जी-7 का दौरा हो या भारत के साथ राजनीतिक और सुरक्षा संबंध सुलझाने की कोई पहल। बात यह है कि इन लोगों ने हर कदम पर कनाडा के प्रधानमंत्री और कनाडा सरकार को घेरने और बेइज्जत करने की कोशिश की और सरकारों से सीधे तौर पर मांग की कि वे कनाडा के हितों को नजरअंदाज करते हुए एक खास ग्रुप का नफरत भरा एजैंडा लागू करें, जिससे पूरे पंजाबी समुदाय को शर्मिंदगी उठानी पड़ी और पंजाबी समुदाय से जुड़े मुद्दे सरकार की नजर में विवादित हो गए। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और उनके कैबिनेट मैंबर्स को भी इन खालिस्तानी कट्टरपंथियों ने बार-बार धमकाया था, जब कनाडा की विदेश मंत्री बीबी अनीता आनंद की तस्वीर को इंदिरा गांधी की तस्वीर से जोड़कर उनके खिलाफ डूखहसा दिखाई गई थी। इसी तरह, जब फैडरल इंटरनैशनल ट्रेड मिनिस्टर मनिंदर सिद्धू भारत के साथ ट्रेड डील करने गए, तो ओंटारियो सिख काऊंसिल ने सिद्धू के सोशल बायकाट की भी बात कही। क्या ऐसी हरकतें किसी कम्युनिटी को शोभा देती हैं? कनाडाई मीडिया कुछ खालिस्तानी गुंडों को सिखों और पंजाबियों के तथाकथित नुमाइंदे के तौर पर क्यों दिखा रहा है और उनके बुरे कामों का इल्जाम पूरे पंजाबी समुदाय पर कैसे लगाया जा रहा है, यह भी समझने और सोचने वाली बात है। खालिस्तानी अलगाववादियों और कट्टरपंथियों के कामों की कीमत आज पूरा पंजाबी समुदाय चुका रहा है। इस चीज के उभरने के लिए कुछ हद तक हमारा समुदाय भी जिम्मेदार है क्योंकि जब ये चंद टोटरू सिख समुदाय के नुमाइंदे होने का दावा करते हैं।

ऋण, विकास और वैश्विक जिम्मेदारीरू भारत की आर्थिक रणनीति

> स्वतंत्रता के बाद से भारत ने बा उधारी को अंधानुकरण नहीं, बल्कि एक सुविचारित नीति-उपकरण के रूप में अपनाया है। इसका उपयोग मुख्यतरू अवसंरचना, ऊर्जा, परिवहन, औद्योगिक विस्तार और वित्तीय स्थिरता के लिए किया गया है। विशेष रूप से, बा वाणिज्यिक उधारी और आवश्यकता पड़ने पर आईएमएफ से प्राप्त ऋ णों ने निजी क्षेत्र को भुगतान-संतुलन बनाए रखने में सहायता दी, जिससे निवेश, उत्पादन क्षमता और रोजगार सृजन को बल मिला। संविधान के अनुच्छेद 293 के तहत राज्यों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी ऋ ण लेने की सीमित संभावना होती है, और अधिकांश बा उधारी केंद्र सरकार के माध्यम से होती है , जिससे ऋ ण प्रबंधन और वित्तीय स्थिरता को संस्थागत रूप से नियंत्रित रखा जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, जून 2025 के अंत तक केंद्र और राज्यों का कुल बा ऋ ण 747.2 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो सितंबर 2025 में हल्का घटकर लगभग 746 अरब डॉलर रह गयाकृअर्थात समग्र स्तर पर स्थिरता बनी रही। यह जून 2024 के 681.5 अरब डॉलर की तुलना में वार्षिक आधार पर 9.6 प्रतिशत अधिक है। दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में बा वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के माध्यम से उधारी प्रवाह में वृद्धि के संकेत मिलेय दिसंबर माह में अकेले 4.43 अरब डॉलर की नई ईसीबी जुटाई गई, जिससे अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान कुल जुटाई गई राशि लगभग 27.5 अरब डॉलर तक पहुंच गई। यह आंकड़े प्रवाह को दशार्ते हैं, न कि कुल बकाया स्टॉक को। इससे संकेत मिलता है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय कंपनियां अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजारों तक अपनी पहुंच बनाए हुए हैं।

अरुण डनायक

आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था में बा ऋण किसी भी राष्ट्र के लिए एक अपरिहार्य यथार्थ बन चुका है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। मध्य-आय जाल की स्थिति में विकास की गति बनाए रखने, अवसंरचना, उद्योग और सामाजिक क्षेत्र में निवेश तथा विशाल जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बा पूंजी की आवश्यकता बनी रहती है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने बा उधारी को अंधानुकरण नहीं, बल्कि एक सुविचारित नीति-उपकरण के रूप में अपनाया है। इसका उपयोग मुख्यतरू अवसंरचना, ऊर्जा, परिवहन, औद्योगिक विस्तार और वित्तीय स्थिरता के लिए किया गया है। विशेष रूप से, बा वाणिज्यिक उधारी और आवश्यकता पड़ने पर आईएमएफ से प्राप्त ऋ णों ने निजी क्षेत्र को भुगतान-संतुलन बनाए रखने में सहायता दी, जिससे निवेश, उत्पादन क्षमता और रोजगार सृजन को बल मिला। संविधान के अनुच्छेद 293 के तहत राज्यों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी ऋ ण लेने की सीमित संभावना होती है, और अधिकांश बा उधारी केंद्र सरकार के माध्यम से होती है , जिससे ऋ ण प्रबंधन और वित्तीय स्थिरता को संस्थागत रूप से नियंत्रित रखा जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, जून 2025 के अंत तक केंद्र और राज्यों का कुल बा ऋ ण 747.2 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो सितंबर 2025 में हल्का घटकर लगभग 746 अरब डॉलर रह गयाकृअर्थात समग्र स्तर पर स्थिरता बनी रही। यह जून 2024 के 681.5 अरब डॉलर की तुलना में वार्षिक आधार पर 9.6 प्रतिशत अधिक है। दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में बा वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के माध्यम से उधारी प्रवाह में वृद्धि के संकेत मिलेय दिसंबर माह में अकेले 4.43 अरब डॉलर की नई ईसीबी जुटाई गई, जिससे अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान कुल जुटाई गई राशि लगभग 27.5 अरब डॉलर तक पहुंच गई। यह आंकड़े प्रवाह को दशार्ते हैं, न कि कुल बकाया स्टॉक को। इससे संकेत मिलता है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय कंपनियां अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजारों तक अपनी पहुंच बनाए हुए हैं। ऋण राशि बढ़ने के बावजूद बा ऋण-से-जीडीपी अनुपात मार्च 2025 के 19.1 प्रतिशत से घटकर 18.9 प्रतिशत रह गया है, जो दशार्ता है कि आर्थिक वृद्धि ऋ ण वृद्धि से तेज रही। यद्यपि केंद्रीय सरकार की सकल राजस्व प्राप्तियों (रुपए 34.96 लाख करोड़) की तुलना में बा ऋण का स्तर ऊंचा प्रतीत होता है, फिर भी यह अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार अभी जोखिम की सीमा के भीतर है। हाल के समय में प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकों के भारतीय शेयर बाजार से दूरी बनाए रखने की प्रवृत्ति के चलते बा ऋण पर निर्भरता बढ़ने की संभावना बनी है, जिससे कंपनियों के लिए विनिमय-दर जोखिम का प्रबंधन और अधिक जटिल तथा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। भारत का बा ऋण संरचनात्मक रूप से सुरक्षित है। 82 प्रतिशत दीर्घकालिक, अल्पकालिक मात्र 18.1प्रतिशत, विदेशी मुद्रा भंडार से 93प्रतिशत से अधिक आच्छादन, ऋण-सेवा अनुपात केवल 6.6प्रतिशत तथा परिसंपत्ति-दायित्व अनुपात 79.25प्रतिशत होने के कारण तात्कालिक जोखिम न्यूनतम है। यद्यपि डॉलर पर अपेक्षाकृत अधिक निर्भरता से विनिमय-दर जोखिम उत्पन्न होता है, लेकिन लगभग 700 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार द्वारा 93 प्रतिशत से अधिक बा ऋ ण का आच्छादन इस जोखिम को प्रभावी रूप से संतुलित करता है। रुपये की डॉलर के मुकाबले हाल की कमजोरी का असर सीधे कुल बा ऋण की राशि पर नहीं पड़ता। इसका मुख्य प्रभाव ऋण-सेवा लागत, ब्याज भुगतान और भविष्य में ऋण के पुनर्भुगतान पर पड़ता है, जिससे कंपनियों और सरकार की वित्तीय योजना पर अतिरिक्त दबाव बन सकता है। आम धारणा के विपरीत, भारत का बा ऋण किसी एक देश या संस्था पर केंद्रित नहीं है। इसका स्वरूप विविध और संतुलित हैकृ 40 प्रतिशत वाणिज्यिक उधारी (अंतरराष्ट्रीय बांड और विदेशी बैंक), 22 प्रतिशत एनआरआई जमाएं, 11 प्रतिशत विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक जैसी बहुपक्षीय संस्थाएं, 5 प्रतिशत जापान जैसे द्विपक्षीय ऋणदाताओं, तथा आईएमएफ की 21.6 अरब डॉलर की सीमित देनदारियां (मुख्यतः 1991 के संकट से जुड़ी)। भारत ने वर्षों से आईएमएफ से कोई नया कार्यक्रम ऋण नहीं लिया, जिससे नीति-स्वायत्तता बनी रही। भारत की ऋण-चुकाने की क्षमता लगातार मजबूत बनी हुई है। मूलधन और ब्याज सहित ऋण-सेवा भुगतान चालू प्राप्तियों का केवल 6.6 प्रतिशत है। अंतरराष्ट्रीय परिसंपत्तियां-दायित्व अनुपात 79.25 प्रतिशत तक पहुंच चुका है, अर्थात भारत की अंतरराष्ट्रीय परिसंपत्तियां उसकी कुल विदेशी देनदारियों के लगभग 80प्रतिशत को आच्छादित करती हैं। यह भारत की बा भुगतान क्षमता की मजबूती और तात्कालिक बा संकट से सुरक्षा को स्पष्ट करता है। भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव और संरक्षणवादी प्रवृत्तियां बा ऋण प्रबंधन की जटिलता बढ़ा सकती हैं, विशेषकर वाणिज्यिक उधारी में, जहां सतत निगरानी और विवेकपूर्ण नीति आवश्यक है। फरवरी 2026 में आरबीआई ने ईसीबी ढांचे में उदारीकरण करते हुए पात्र उधारकताओं की श्रेणी का विस्तार, स्वचालित मार्ग के अंतर्गत कुछ सीमाओं में शिथिलता, औसत परिपक्वता अवधि संबंधी शर्तों में लचीलापन तथा अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल बनाया। इससे भारतीय कंपनियोंकृविशेषकर अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्रकृके लिए विदेशी पूंजी जुटाना अधिक सुगम होगा। बा ऋ ण प्रबंधन के साथ-साथ भारत आज 65 से अधिक देशों को आर्थिक सहायता प्रदान करने वाला एक प्रमुख राष्ट्र है। भूटान, नेपाल, मालदीव, मॉरीशस, म्यांमार, श्रीलंका, अफगानिस्तान तथा अनेक अफ्रीकी देश प्रमुख सहयोग प्राप्त देश हैं। केंद्रीय बजट 2025-26 में विदेश मंत्रालय के अंतर्गत लगभग रुपए 6,750 करोड़ विदेशी सहायता के लिए निर्धारित किए गए हैं। भारत न तो ग्रीस और अर्जेंटीना जैसी गंभीर ऋण-जाल वाली अर्थव्यवस्थाओं की स्थिति में है, जहां वित्तीय अनुशासन की कमी, उच्च सार्वजनिक ऋण और संरचनात्मक कमजोरियां संकट का कारण बनी थीं और न ही 1997 के एशियाई वित्तीय संकट से प्रभावित देशों जैसी स्थिति का सामना कर रहा है।

मानव सम्पदा पोर्टल को लेकर प्रदेश स्तरीय विरोधसभा

लखनऊ,(संवाददाता)। उ.प्र. लोक निर्माण विभाग मिनिस्टीरियल एसोसिएशन के तत्वावधान में राजधानी मुख्यालय सहित जनपद मुख्यालयों पर मानव सम्पदा पोर्टल खोले जाने की मांग को लेकर विरोध समाए की गई। वक्ताओं ने इस दौरान अपने सम्बोधन में कहा कि मानव सम्पदा पोर्टल पर राज्य कर्मचारियों द्वारा नियमानुसार चल-अचल सम्पत्ति का विवरण दर्ज करने हेतु उवप्रव शासन द्वारा आदेश जारी किए गए उक्त विवरण को 31 जनवरी 2026 तक पोर्टल पर भरा जाना था। दिनांक 31 जनवरी 2026 के बाद उक्त पोर्टल के बन्द हो जाने के कारण हमारे कई विभागीय अधिकारीध्कर्मचारी द्वारा वर्तमान में उपरोक्त विवरण नही भर पा रहे हैं। मानव सम्पदा पोर्टल बंद होने के कारण कर्मचारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राजधानी मुख्यालय में आयोजित सभा में जे.पी. पाण्डेय प्रान्तीय महामंत्री ने बताया कि 12 फरवरी 2026 को उक्त पोर्टल को एक माह से लिए पुनः खोलने हेतु सम्पूर्ण उ.प्र. के राज्य कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री को सम्बन्धित जनपद के जिला अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया गया था ।अब होली व ईद इत्यादि जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार होने के कारण प्रदेश भर में कार्यरत कर्मचारियों के सामने वेतन न मिलने के कारण अत्यन्त विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ना स्वाभाविक है।

जानें सर्दियों में धूप लेने का सही समय, जिससे ज्यादा से ज्यादा मिले विटामिन डी

विटामिन डी हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है। यह हड्डियों, मांसपेशियों, इम्यून सिस्टम और मूड को मजबूत रखने में अहम भूमिका निभाता है। प्राकृतिक धूप शरीर को भीतर तक ऊर्जा देती है और कुछ ही मिनटों में त्वचा विटामिन डी बनाने लगती है। लेकिन हर समय की धूप एक जैसी असरदार नहीं होती। ज्यादा देर तक तेज धूप में रहने से सनबर्न और स्किन डैमेज का खतरा भी बढ़ सकता है। इसलिए यह जानना जरूरी है कि दिन में किस समय धूप लेना सबसे फायदेमंद है।

सही समयः 10 बजे से 3 बजे तक

आम धारणा के उलट, रिसर्च बताती है कि सुबह-सुबह की हल्की धूप की तुलना में 10 बजे से 3 बजे तक की धूप विटामिन डी बनाने के लिए सबसे असरदार होती है। इस समय सूर्य सीधे ऊपर होता है और यूवीबी किरणें त्वचा पर सीधा पड़ती हैं। सुबह 7 बजे जैसी धूप अक्सर बहुत हल्की होती है, जिससे विटामिन डी का निर्माण धीमा रहता है।

धूप में कितना समय लगाना चाहिए?

धूप में रहने का समय व्यक्तिगत कारकों पर निर्भर करता है जैसे त्वचा का रंग, मौसम, उम्र और स्थान।

हल्की त्वचा वाले लोग हफ्ते में कुछ बार 5,30 मिनट के लिए चेहरे, हाथ और पैरों को धूप में रख सकते हैं।

गहरी त्वचा और बुजुर्गों को थोड़ी ज्यादा धूप की जरूरत पड़ सकती है।

सर्दियों और ऊंचाई वाले इलाकों में ध्यान रखें

सर्दियों और ऊंचाई वाले इलाकों में धूप लेने में विशेष सावधानी जरूरी है। इस दौरान सूर्य की किरणों का एंगल बदल जाता है, जिससे दोपहर की धूप भी हमेशा पर्याप्त नहीं रहती। ऐसे समय में शरीर को जरूरी विटामिन डी पूरी करने के लिए लोग अक्सर भोजन और सप्लीमेंट्स पर निर्भर रहते हैं।

सुरक्षित धूप लेने का तरीका

धूप का लाभ उठाने का सबसे सुरक्षित तरीका है कम समय का एक्सपोजर, दोपहर के आसपास।

लंबे समय तक सूर्य में रहने पर सनबर्न और स्किन कैंसर का खतरा बढ़ता है।

अगर ज्यादा देर बाहर रहना हो, तो सनस्क्रीन, टोपी और हल्के कपड़े का इस्तेमाल करें।

कांच के पीछे बैठकर धूप लेने से विटामिन डी नहीं बनता, क्योंकि यूवीबी किरणें सीधे अंदर नहीं आतीं।

धूप का उद्देश्य केवल विटामिन डी बनाना है, इसलिए खुली जगह में कुछ समय रहना जरूरी है। सनस्क्रीन का इस्तेमाल विटामिन डी निर्माण को पूरी तरह रोकता नहीं है, यह सिर्फ सुरक्षा देता है।

किन लोगों को धूप नहीं लेनी चाहिए

कुछ लोगों को धूप लेने में सावधानी बरतनी चाहिए। जिन लोगों की त्वचा बहुत संवेदनशील हो, जिन्हें सनबर्न या त्वचा की एलर्जी की समस्या रहती है, या जो मादा,पुरुष किसी दवा या मेडिकल कंडीशन के कारण यूवी किरणों के प्रति संवेदनशील हैं, उन्हें लंबे समय तक सीधी धूप से बचना चाहिए। इसी तरह, गंभीर हृदय या थायरॉइड की समस्याओं वाले, और छोटे बच्चे या बुजुर्ग भी सीधे तेज धूप में लंबे समय तक रहने से बचें। ऐसे मामलों में छाया, हल्के कपड़े और सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना जरूरी है।

बची हुई बर्फी और चावल से 10 मिनट में बनाएं रेस्टोरेंट जैसी शाही खीर, जानें जादुई तरीका

यह रेसिपी न सिर्फ स्वादिष्ट बल्कि फूड वेस्टेज को रोकने का भी शानदार तरीका है। बर्फी के कारण खीर में खोया जैसी मलाई और गहराई आती है। जिससे इसका स्वाद किसी रेस्टोरेंट स्टाइल डेजर्ट से कम नहीं लगता है। वहीं इसमें अलग से चीनी डालने की

जरूरत नहीं है। त्योहारों का मौसम हो या फिर घर में कोई खास दावत, अक्सर ऐसा खाने के बाद थोड़ा मिठाई और चावल आदि बच ही जाता है। अधिकतर महिलाएं बचे हुए चावलों को फेंक देती हैं और बर्फी किसी को खाने को दे देती हैं। लेकिन अब आपको चावल फेंकने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज हम आपके लिए एक ऐसी जादुई रेसिपी लेकर आए हैं, जो बची हुई बर्फी और चावल को सिर्फ 10 मिनट में मलाईदार, शाही और लाजवाब खीर में बदल देगी।

बता दें कि यह रेसिपी न सिर्फ स्वादिष्ट बल्कि फूड वेस्टेज को रोकने का भी शानदार तरीका है। बर्फी के कारण खीर में खोया जैसी मलाई और गहराई आती है। जिससे इसका स्वाद किसी रेस्टोरेंट स्टाइल डेजर्ट से कम नहीं लगता है। वहीं इसमें अलग से चीनी डालने की जरूरत नहीं है। क्योंकि यह मिठाई खुद ही खीर को परफेक्ट मिठास देती है।

सामग्री

बचे हुए चावल- 1 बड़ी कटोरी
बर्फी- 1 कप
घी- 2 चम्मच
दूध- 2 कप
इलायची पाउडर- 1 छोटी चम्मच
ड्राई फ्रूट्स- 1/2 कटोरी

ऐसे बनाएं मलाईदार खीर

सबसे पहले भारी तले की कड़ाही में 2 छोटे चम्मच शुद्ध घी डालकर धीमी आंच पर गर्म कर लें। अब बचे हुए चावल डालकर धीमी आंच पर करीब 1 मिनट तक हल्का भूनें। जब चावल भुनने लगता है, तो इसमें से सौंधी खुशबू आती है। भुने हुए चावल में 2 कप दूध डालें। फिर आंच को मीडियम करें और मिश्रण को कुछ देर तक उबालें। जिससे कि चावल दूध को सोख लें और खीर गाढ़ी होने लगे। आंच को मीडियम करें और जब दूध थोड़ा गाढ़ा हो जाए, तो इसमें बची हुई बर्फी को हाथ से मसलकर डाल दें।

बता दें कि बर्फी में मौजूद खोया और चीनी फौरन पिघलकर खीर को गाढ़ापन और मिठास देने का काम करेगी। इसको तब तक पकाते रहें, जब तक कि खीर में बर्फी पूरी तरह से घुल न जाए। अब इसमें एक छोटी चम्मच इलायची पाउडर मिलाएं। जिससे इसमें से बढ़िया सी सुगंध आने लगेगी। आप इसमें ड्राई फ्रूट्स भी डालकर अच्छे से मिला दें। अब गैस बंद कर दें और इस तरह से आपकी झटपट मलाईदार खीर बनकर तैयार है। कुछ समय तक खीर को ठंडा होने के लिए रख दें और जब यह ठंडी और गाढ़ी हो जाए, तो इसको परोसें और ऊपर से ड्राई फ्रूट्स या केसर के धागे डालें। अगर खीर बहुत गाढ़ी लगे, तो थोड़ा गर्म दूध डालकर मनचाही कंसिस्टेंसी दे सकती हैं। आप बर्फी की जगह बचा हुआ पेड़ा, गुलाब जामुन या मिल्क केक भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

पेट में गैस इतनी बढ़ गई कि लग रहा है अटैक आ गया! ऐसे पाएं तुरंत आराम

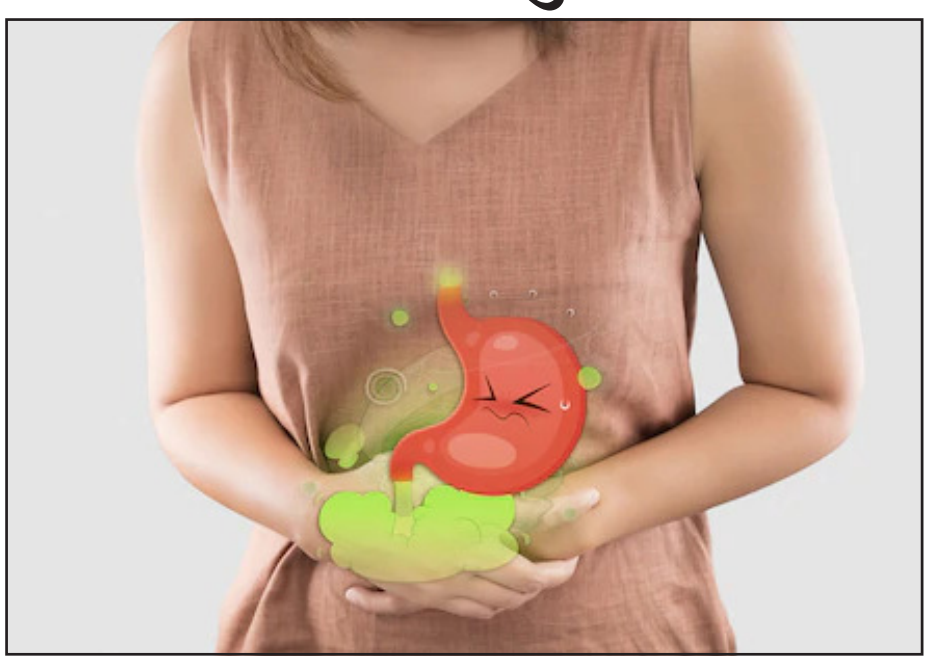

आजकल की तेज-तर्रार लाइफस्टाइल में बहुत लोग अक्सर पेट में गैस और इससे होने वाले दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं। कभी-कभी यह दर्द इतना तेज होता है कि लगता है जैसे हार्ट अटैक हो गया हो। हालांकि ज्यादातर मामलों में यह सिर्फ गैस या डाइजेशन की समस्या होती है, लेकिन इसे नजरअंदाज करना ठीक नहीं है।

पेट की गैस के कारण

पेट में गैस बनने के कई कारण हो सकते हैं। ज्यादा तैलीय या मसालेदार भोजन, जंक फूड, पेट जल्दी-जल्दी भरना, ठंडी चीजें खाना, या ज्यादा काबोर्नेटेड ड्रिंक पीना पेट में गैस का मुख्य कारण बनते हैं। इसके अलावा तनाव और स्ट्रेस भी गैस बनने की प्रक्रिया को बढ़ा सकते हैं। जब गैस पेट और डायफ्राम के बीच फंस जाती है, तो दर्द और चक्कर जैसी समस्या भी हो सकती है।

गैस और अटैक जैसा दर्द

कई बार पेट में गैस इतनी ज्यादा हो जाती है कि दर्द सीने, पेट और पीठ तक महसूस होता है। यह दर्द हार्ट अटैक या एसिडिटी जैसी समस्या से मिलकर भ्रम पैदा कर सकता है। दर्द अचानक आता है और हल्का या तेज हो सकता है। खास बात यह है कि यह दर्द खाने के बाद या पेट भारी होने पर अधिक महसूस होता है।

लक्षण पहचानना

गैस के कारण होने वाले दर्द के कुछ मुख्य लक्षण हैं

पेट में फूलना और भारीपन

अचानक सीने में हल्का जलन या दर्द

पेट में गुड़गुड़ाहट या क्रैम्प

डकार आना या ज्यादा गैस निकलना

कभी-कभी चक्कर या कमजोरी महसूस होना

अगर दर्द लंबे समय तक लगातार बना रहे, सांस लेने में तकलीफ हो या दिल की धड़कन तेज हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

घरेलू और आसान उपाय

पेट की गैस और उससे होने वाले दर्द को कम करने के लिए कुछ आसान उपाय अपनाए जा सकते हैं भोजन धीरे-धीरे खाएं और अच्छे से चबाएं। ज्यादा तैलीय, मसालेदार और जंक फूड से बचें। गर्म पानी या अदरक वाली चाय पीने से गैस कम होती है।

खाना खाने के तुरंत बाद न लेटें, हल्की सैर करें। पानी पर्याप्त मात्रा में पीते रहें। पुदीना, सौंफ या अजवाइन का सेवन भी पेट की गैस कम करता है।

लाइफस्टाइल में बदलाव

गैस की समस्या बार-बार होने पर केवल दवा नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल बदलना जरूरी है। स्ट्रेस कम करना, समय पर खाना खाना, और फाइबर युक्त भोजन जैसे फल, सब्जियां और दालें शामिल करना पेट को हेल्दी रखता है। नियमित योग और हल्की एक्सरसाइज भी गैस और पेट के दर्द को कम करने में मदद करती है। पेट में गैस और अटैक जैसा दर्द आम समस्या है, लेकिन इसे नजरअंदाज करना नुकसानदेह हो सकता है। सही खानपान, पर्याप्त पानी, स्ट्रेस कम करना और घरेलू उपाय अपनाने से यह समस्या काफी हद तक कम की जा सकती है। अगर दर्द लगातार या बहुत तेज हो, तो डॉक्टर की सलाह लेना बहुत जरूरी है।

बादलों का घर मेघालयः इन 5 जगहों की सैर आपको जीवन भर याद रहेगी, बनाएं ट्रिप का प्लान!

मेघालय, जिसे 'बादलों का घर' कहा जाता है, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और क्रिस्टल-क्लियर नदियों के लिए प्रसिद्ध है, जहाँ शिलॉन्ग, डॉकी झील, दावकी, मौसिनराम और मावफलांग पवित्र वन जैसी मनोरम जगहें आपके मन को मोह लेंगी।

बवासीर खत्म करने वाला मिल गया! इसे खाली पेट पिएं!

नॉर्थ-ईस्ट राज्य प्राकृति और सुंदर वादियों के लिए जाना जाता है। अगर आप मेघालय जाने का प्लान बना रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए है। मेघालय को बादलों का घर कहा जाता है। यहां की सुंदरता दुनियाभर में फेमस है। मेघायलय में पानी भी शीशे की तरह चमकता है और घने जंगल की सुंदरता देखकर आप कहीं न कहीं खो जाएंगे। जो एक बार मेघालय घूमने जाएगा वो वही का होकर रह गया है। मेघालय में आपको पहाड़, झरने, नदियां, झील, हरे जंगल सबकुछ देखने को मिलेगा। आइए आपको बताते हैं आप किन जगहों पर जरुर घूमने जाएं।

शिलॉन्ग

मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग घूमने जरुर जाएं। यह शहर बेहद ही खूबसूरत और हरियाली से घिरा हुआ है। मेघालय पूर्वी हिमालय की पहाड़ियों में बसा हुआ है शिलॉन्ग। इसे मिनी स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। शिलॉन्ग में आप व्यू पॉइंट, लैत्कोर पीक, स्प्रेअद ईगल फॉल्स, लेडी दारी पार्क और एलिफेंट फॉल्स को जरुर देखें।

डॉकी झील

डॉकी झील भारत-बांग्लादेश सीमा पर एक छोटा-सा शहर बसा है। डॉकी झील को उमंगोट नदी भी बोला जाता है, जो कि भारत से बांग्लादेश तक बहती है। इसका पानी एकदम क्रिस्टल क्लियर है। इधर नाव पर सफर करने से ऐसा फील होता है कि जैसे नाव हवा में है।

दावकी

अगर आप मेघालय जा रहे हैं, तो पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले में स्थित दावकी छोटा सा टाउन है, यहां पर घूमने के लिए कई सारी जगहें हैं। इधर आपको सुंदर झरने देखने को मिलेंगे। दावकी में जाफलोंग जोरी पॉइंट, बुरहिल झरने, मावल्यान्नॉग, रिवाई जैसी खूबसूरत जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

मौसिनराम

मेघालय के खासी हिल्स में मौसिनराम एक सुंदर बस्ती है, यह अपनी प्राकृतिक स्टैलेग्माइट शिवलिंग जैसी संरचनाओं के लिए जाना जाता है। यहां पर मावजिम्बुइन गुफा देखने को लायक मिलती है। इस गुफा में शिवलिंग भी रखी है, जो कि स्टैलेग्माइट के लिए जानी जाती है। यहां का वातावरण एकदम शांत और सुकून से भरा हुआ है। कलकल करता हुआ पानी की आवाज आपके मन को शांति प्रदान करेगा।

मावफलांग पवित्र वन

मेघालय में मावफलांग वन एक प्रचीन जंगल है, जो काफी शुद्ध व पवित्र माना जाता है। इस जंगल से एक भी पत्ती बाहर लेकर जाना माना है और इस जंगल में आपको रुद्राक्ष के पेड़ मिलेंगे, हर मुख वाली रुद्राक्ष पेड़ में लगी होती है।

पार्टी में साड़ी को देंगे नया अंदाज, ये ब्लाउज लटकन डिजाइन बढ़ाएंगे आपकी शान

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ब्लाउज के लटकन डिजाइन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप अपने ब्लाउज में शामिल कर अपने लुक को खास और अट्रैक्टिव बना सकती हैं। वहीं इस बार पार्टी में भीड़ से हटकर दिख सकती हैं।

अगर आप भी हर बार की तरह इस बार भी पार्टी लुक को खास बनाना चाहती हैं और इस बार साड़ी पहनने की सोच रही हैं। तो यह खबर आपके लिए बेस्ट है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ब्लाउज के लटकन डिजाइन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप अपने ब्लाउज में शामिल कर अपने लुक को खास

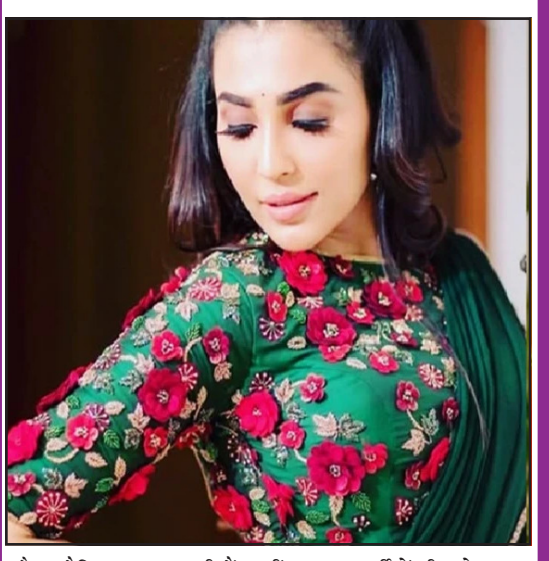

और अट्रैक्टिव बना सकती हैं। वहीं इस बार पार्टी में भीड़ से हटकर दिख सकती हैं। तो आइए जानते हैं इन लटकन के बारे में...

ब्लू लड्डू डोरी लटकन

पार्टी में भीड़ से अलग नजर आने और खूबसूरती को बढ़ाने के लिए आप ब्लू लड्डू डोरी लटकन को ब्लाउज के साथ शामिल कर सकती हैं। ऐसे लटकन डिजाइन न सिर्फ ब्लाउज की खूबसूरती को बढाएंगे बल्कि साड़ी को अट्रैक्टिव लुक देने में भी मदद करेंगी। आप इस तरह की लटकन को लोकल बाजार में मिल जाएगी और आप इसको ऑनलाइन भी खरीद सकती हैं।

पोम पोम्पस लटकन डिजाइन

साड़ी लुक में भीड़ से अलग दिखने के लिए आप किसी भी डिजाइनर ब्लाउज में इस तरह की खूबसूरत पोम पोम्पस लटकन डिजाइन लगवा सकती हैं। इस तरह की लटकन आपको ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों जगहों पर मिल जाएंगी। इसमें आपको और भी कलर मिल जाएंगे। आप इस तरह के लटकन को ब्लाउज के बैक पर डोरी के साथ लगा सकती हैं।

रफल शेप लटकन डिजाइन

अपनी खूबसूरती को बढ़ाने के लिए और साड़ी लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए आप खूबसूरत रफल शेप लटकन डिजाइन भी अपने ब्लाउज के साथ शामिल कर सकती हैं। इस तरह की लटकन आपके ब्लाउज को खूबसूरत बना देगी। आप इस तरह की लटकन को ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों जगहों से खरीद सकती हैं।

बीड और टसल लटकन डिजाइन

अगर आप भी भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं और अपने लुक को स्टाइलिश बनाना चाहती हैं, तो आप बीड और टसल लटकन डिजाइन को अपने ब्लाउज में शामिल कर सकती हैं। आप चाहें तो ब्लाउज के बैक साइड पर ऐसी लटकन को शामिल कर अपने लुक को पूरा कर सकती हैं। इसके साथ ही आप साड़ी के कोने पर भी इस तरह की लटकन को लगा सकती हैं। यह लटकन आपकी खूबसूरती को बढ़ा देगी।

साग का स्वाद बिगाड़ने वाली 5 बड़ी गलतियां, खाने से पहले जान लें वरना पछताएंगे!

सर्दियों में साग का स्वाद और पौष्टिकता बनाए रखने के लिए, ज्यादा देर तक पकाने, ठीक से न धोने, अत्यधिक पानी डालने, गलत तड़का लगाने और डंठल के साथ पत्तियों को एक साथ पकाने जैसी पांच सामान्य गलतियों से बचें। इन गलतियों से साग का रंग, स्वाद और पोषक तत्व दोनों ही खराब हो सकते हैं। ठंड का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में हर भारतीय किचन में तरह-तरह के साग जरुर बनते हैं। हरे साग को बड़ी चांव से खाते हैं। साग हेल्थ के लिए अच्छा होता है, यह शरीर को पोषण के साथ ही गर्माहट भी पहुंचाता है। इस समय बाजार में पालक, सरसों, बथुआ और मेथी जैसे हरे-भरे साग खूब नजार आ रहे हैं। पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं साग, लेकिन इसको बनाते समय कुछ कॉमन गलतियां कर दी जाती है। साग स्वाद को बिगाड़ जाता है बल्कि

इसके पोषक तत्व भी नष्ट हो जाते हैं। भूलकर भी साग बनाते समय ये 5 गलतियां न करें।

साग पकाते समय ना करें ये गलतियां

साग को देर तक पकाते रहना

जब घर में साग बनता है, तो कई लोग इसे देर तक पकाने लगते है। जिससे इसका स्वाद अच्छा हो जाता है , लेकिन यह साग का रंग बदलकर काला कर देता है बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व भी नष्ट हो जाते हैं। साग को जरुरत जितना ही पकाना बेस्ट होता है।

साग धोने में गलती करना

बाजार से लाए हुए साग में अक्सर मिट्टी और रेत लगी रहती है। यदि आप साग को अच्छे से नहीं पानी से धोएंगी तो खाने में मिट्टी का किरकिरा स्वाद आता है। ऐसा न हो तो आप साग को पकाने से पहले उसे अच्छी तरीके से 4-5 बार साफ पानी से धो लें।

ज्यादा पानी का इस्तेमाल

जब आप साग को उबालते हैं, तो उस समय ज्यादा पानी डालने की गलती करते हैं। ऐसा करने से साग पतला और फीका लगता है। क्योंकि साग का अपना भी पानी होता है, इसलिए जब पकाएं तो साग में पानी की मात्रा कम ही रखें।

ठीक तरह से तड़का न लगाना

अगर साग में मस्त तड़का न लगे तो यह स्वाद को खराब कर देता है। साग में हमेशा घी और सरसों तेल में लाल मिर्च, लहसुन और हींग का तड़का लगाएं।

अगर उमाशंकर को कुछ हुआ तो एजेंसी जिम्मेदार–दिनेश प्रताप

लखनऊ,(संवाददाता)। बीएसपी विधायक उमाशंकर सिंह के आवास पर बुधवार को इनकम टैक्स की रेड पड़ने से प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री दिनेश सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके राजनीतिक पारे को बढ़ा दिया है.राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने इनकम टैक्स रेड की टाइमिंग पर सवाल खड़े किये हैं।राज्यमंत्री दिनेश सिंह ने केंद्रीय एजेंसी की कार्यशैली पर सवाल खड़े किये।उनका कहना है कि प्रधानमंत्री कार्यालय और गृहमंत्री अमेरिका में इलाज करवा रहे हैं और उसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उमाशंकर सिंह कैंसर की चौथी स्टेज के कैंसर की बीमारी से लड़ रहे हैं। एजेंसी को ऐसे वक्त कार्यवाही से बचना चाहिए था। कार्यवाही से अगर उनको कुछ होता है तो उसकी जिम्मेदार एजेंसी होगी।इस वक्त वो अपनी बेटी के साथ खड़े है मेरी पोस्ट का कोई राजनीतिक मायने न निकाले जाये। मंत्री दिनेश सिंह ने आयकर विभाग की छापेमारी के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया. उन्होंने लिखा, मेरी बेटी उमाशंकर सिंह के घर व्याही है, जहां आज उनके घर पर रेड की जा रही है। दो साल से ज्यादा समय से वे जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं।

भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए क्या करना होगा? पाकिस्तान लगाएगा आखिरी दांव

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 चरण में भारत और पाकिस्तान दोनों की सेमीफाइनल राह मुश्किल हो गई है। भारत को जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी, जबकि पाकिस्तान को श्रीलंका पर बड़ी जीत के साथ इंग्लैंड से न्यूजीलैंड की हार की दुआ करनी होगी। नेट रन रेट (ठफ्फ़) निर्णायक भूमिका निभाएगा। टी20 विश्वकप 2026 अब एक रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है। सुपर-8 चरण के आखिरी कुछ मैच बचे हैं। सेमीफाइनल में पहुंचने की जंग दिलचस्प हो चली है। यह जंग कितनी मुश्किल है, इसका अंदाजा आप इस बात से ही लगा सकते हैं कि सुपर-8 राउंड के छह मैचों के बाद अब तक सिर्फ एक ही टीम सेमीफाइनल में पहुंच सकी है। इंग्लैंड की सीट पक्की हो चुकी है। वहीं, तीन अन्य जगहों के लिए अभी पांच टीमों के बीच टक्कर है। सुपर-8 ग्रुप-1 से अभी तक किसी टीम ने सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं किया है, जबकि ग्रुप-2 से इंग्लैंड की टीम क्वालिफाई कर चुकी है। क्या होगा भारत-वेस्टइंडीज वर्चुअल नॉकआउट? टीम इंडिया भी सुपर-8 राउंड में जूझ रही है। दरअसल,

सुपर-8 चरण में भारत की शुरूआत ही बेहद खराब रही। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की करारी हार ने भारतीय टीम को मुश्किल हालात में ला खड़ा किया है। कप्तान सूर्यकुमार की अगुवाई वाली टीम का नेट रन रेट -3.800 तक गिर गया है। गुरुवार यानी 26 फरवरी को दो बड़े मुकाबले हैं। पहला मैच दक्षिण अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज दोपहर तीन बजे से और फिर शाम सात बजे से भारत बनाम जिम्बाब्वे। दक्षिण अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज मैच से ही काफी हद तक ग्रुप-1 की तस्वीर साफ हो जाएगी। समीकरण नंबर-1: द. अफ्रीका वेस्टइंडीज को हरा दे अगर दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज को हरा देता है और भारत जिम्बाब्वे को मात दे देता है, तो अफ्रीकी टीम चार अंकों के साथ सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। तब भारत और वेस्टइंडीज के बीच अगला मुकाबला वर्चुअल क्वार्टरफाइनल बन जाएगा। उस मैच का विजेता सीधे सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा, चाहे नेट रन रेट कुछ भी हो। यह भारत के लिए सबसे सरल रास्ता है, जीतते जाओ और आगे बढ़ो। समीकरण नंबर-2: नेट रन रेट बनेगा असली खेल अगर वेस्टइंडीज दक्षिण अफ्रीका को हरा देता है और भारत जिम्बाब्वे पर जीत दर्ज करता है, तो विंडीज के चार अंक हो जाएंगे, जबकि भारत और दक्षिण अफ्रीका के दो-दो अंक होंगे। ऐसे में भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी, ताकि उसका नेट रन रेट बेहतर हो सके। साथ ही भारत को यह भी उम्मीद करनी होगी कि जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका को हरा दे या दक्षिण अफ्रीका बहुत मामूली अंतर से जीते, ताकि नेट रन रेट बहुत न बढ़े और भारत से बेहतर हो जाए। यहां सेमीफाइनल की टिकट पूरी तरह गणित और रन रेट पर निर्भर करेगी। ये रास्ता कठिन है। समीकरण नंबर-3: हार मतलब लगभग बाहर अगर भारत जिम्बाब्वे से हार जाता है, तो उसकी स्थिति बेहद कमजोर हो जाएगी। हालांकि, तकनीकी रूप से मौका बचा रहेगा, लेकिन उसे वेस्टइंडीज को भारी अंतर से हराना होगा और बाकी मैचों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ेगा। स्पष्ट है कि जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला भारत के लिए ह्यकरो या मरोह्न जैसा है। इसके बाद भारत को यह उम्मीद करनी होगी कि दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे दोनों को हरा दे। फिर भारत की वेस्टइंडीज पर बड़े अंतर से जीत ही रास्ता खोलेगी। ऐसी स्थिति में दक्षिण अफ्रीका के छह अंक हो जाएंगे, जबकि भारत, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के दो-दो अंक होंगे। तब सेमीफाइनल में जगह उसी टीम को मिलेगी, जिसका नेट रन रेट (ठफ्फ़) सबसे बेहतर होगा। ग्रुप-2 में पाकिस्तान की हालत पतली दूसरी ओर ग्रुप-2 में पाकिस्तान की राह और भी कठिन हो गई है। न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 61 रन से हराकर अपने सेमीफाइनल के दावे को मजबूत किया। इस मैच में रचिन रवींद्र ने 27 रन देकर चार विकेट लिए और शानदार गेंदबाजी की। इस ग्रुप से इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुका है। अगर शुक्रवार को न्यूजीलैंड, इंग्लैंड को हरा देता है, तो सेमीफाइनल की सभी संभावनाओं पर विराम लग जाएगा। न्यूजीलैंड न सिर्फ क्वालिफाई करेगा, बल्कि पांच अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष पर भी रहेगा। ऐसे में वह सेमीफाइनल में ग्रुप-1 की दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगा। इस नतीजे के साथ दोनों सेमीफाइनल भारत में ही खेले जाएंगे। लेकिन अगर इंग्लैंड न्यूजीलैंड को हरा देता है, तो वह छह अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच जाएगा। साथ ही पाकिस्तान की उम्मीदें भी जिंदा रहेंगी, हालांकि उसे नेट रन रेट (ठफ्फ़) के बड़े अंतर को पाटना होगा। समीकरण नंबर-1: दुआ और दम दोनों जरूरी पाकिस्तान का आखिरी मुकाबला श्रीलंका से है। अगर पाकिस्तान जीतता है, तो उसके तीन अंक हो जाएंगे। हालांकि, श्रीलंका पर सिर्फ जीत ही पाकिस्तान के लिए काफी नहीं है। अगर न्यूजीलैंड, इंग्लैंड से करीबी अंतर से हारता है तो पाकिस्तान को श्रीलंका पर 70+ रन से जीत दर्ज करनी होगी। तभी उसका नेट रन रेट न्यूजीलैंड से बेहतर हो पाएगा। इस स्थिति में कीवी और पाकिस्तान के तीन-तीन अंक होंगे और फैसला नेट रन रेट पर होगा। अगर पाकिस्तान टीम श्रीलंका से करीबी अंतर से जीतती है तो उसे दुआ करनी होगी कि न्यूजीलैंड, इंग्लैंड से बड़े अंतर से (करीब 60-70+ रन के अंतर से) हार जाए। ऐसी स्थिति में दोनों टीमें तीन-तीन अंकों पर होंगी और फिर फैसला नेट रन रेट से होगा।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मिचेल सैंटनर का अनूठा डबल, अब तक सिर्फ छह खिलाड़ी कर सके हैं ऐसा

कोलंबो। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1,000 रन और 100 विकेट लेने वाले छठे खिलाड़ी बन गए हैं। श्रीलंका के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले में उनकी 47 रन की अहम पारी ने टीम को 168/7 तक पहुंचाया। सैंटनर इस उपलब्धि को हासिल करने वाले पहले कीवी खिलाड़ी भी हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1,000 रन और 100 विकेट निकालने वाले आईसीसी के पूर्ण सदस्य देश के छठे खिलाड़ी बन गए हैं। वह इस मुकाम को हासिल करने वाले पहले कीवी खिलाड़ी भी हैं। क्रिकेट न्यूज

मिचेल सैंटनर ने बुधवार को श्रीलंका के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में 26 गेंदों का सामना करते हुए चार छक्कों और दो चौकों के साथ 47 रन की पारी खेली। सैंटनर ने यह पारी उस समय खेली, जब कीवी टीम 84 के स्कोर तक अपने छह विकेट खो चुकी थी। यहां से सैंटनर ने कोल मैककोन्ची के साथ 47 गेंदों में 84 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 168/7 के स्कोर तक पहुंचा दिया। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आईसीसी के पूर्ण सदस्य देश की तरफ से अब तक सिर्फ छह ही खिलाड़ी 1,000 रन बनाने के साथ 100 विकेट हासिल कर सके हैं। इनमें सैंटनर के अलावा, शाकिब अल हसन, मोहम्मद नबी, सिकंदर रजा, हार्दिक पांड्या और शादाब खान का नाम शामिल है। आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने सात विकेट खोकर 168 रन बनाए। टिम सीफर्ट ने फिन एलन के साथ 3.1 ओवरों में 30 रन की साझेदारी की। एलेन 13 गेंदों में चार बाउंड्री के साथ 23 रन बनाकर आउट हुए।

बारिश बिगाड़ देगी भारत का खेल, कैसा रहेगा चेन्नई का मौसम और पिच?

चेन्नइ। भारत और जिम्बाब्वे के बीच सुपर-8 का मुकाबला गुरुवार को चेन्नई में खेला जाएगा। एमए चिदंबरम स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार रहने की उम्मीद है, जबकि मौसम भी पूरी तरह साफ रहेगा। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 चरण में भारत का सामना जिम्बाब्वे से गुरुवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारत को हर हाल में यह मुकाबला बड़े अंतर से जीतना होगा, जिससे उसके नेट रन रेट में सुधार होगा। हालांकि, जिम्बाब्वे के पास खोने को कुछ नहीं है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव की सेना उसे हल्के में नहीं लेना चाहेगी। भारत की नजरें

वापसी पर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम को सुपर-8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रनों की करारी हार झेलनी पड़ी थी। जसप्रीत बुमराह को छोड़कर बाकी खिलाड़ी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। ऐसे में जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत हर हाल में जीत दर्ज कर टूनार्मेंट में अपनी उम्मीदों को जिंदा रखना चाहेगा। बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक की प्रेस कॉन्फ्रेंस पहले ही इस बात का संकेत दे चुकी है कि टीम संयोजन में बदलाव हो सकते हैं। माना जा रहा है कि तिलक वर्मा की जगह संजू सैमसन की वापसी हो सकती है। वहीं, अक्षर पटेल को वाशिंगटन सुंदर के स्थान पर मौका मिल सकता है। उलटफेर के इरादे से उतरेगी जिम्बाब्वे की टीम सिकंदर रजा की अगुआई में जिम्बाब्वे की टीम भी वेस्टइंडीज से मिली हार के बाद वापसी की कोशिश करेगी। टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन के चलते टीम को काफी सराहना मिल चुकी है। ब्रायन बेनेट अच्छी फॉर्म में हैं, जबकि कप्तान सिकंदर रजा पर भी टीम को काफी भरोसा होगा। तेज गेंदबाजी आक्रमण में ब्रैड इवांस, ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगारावा अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं, वेलिंग्टन मसाकाद्ज़ा की वापसी भी संभव है, जो भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ बाएं हाथ के स्पिन से चुनौती पेश कर सकते हैं। कैसा रहेगा चेन्नई का मौसम?

जिम्बाब्वे के पास भारत को चौंकाने का दमखम!

चेन्नइ। सुपर-8 में भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले जिम्बाब्वे अपनी गेंदबाजी की विविधता पर भरोसा जता रहा है। ब्लेसिंग मुजारबानी की लंबाई और उछाल, सिकंदर रजा की मिस्ट्री स्पिन और तीन तेज गेंदबाजों का संयोजन टीम की ताकत है। रेयान बर्ल का मानना है कि बड़े मुकाबलों का अनुभव और सही मैच-अप उन्हें भारत को चौंकाने का मौका दे सकता है। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में जिम्बाब्वे की नजर भारत को चौंकाने पर है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में वेस्टइंडीज के पावर-हिटर्स के सामने जिम्बाब्वे की गेंदबाजी बिखर गई थी, लेकिन टीम को चेन्नई में भारत के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। ऑलराउंडर रेयान बर्ल का मानना है कि उनकी गेंदबाजी आक्रमण की विविधता भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ बड़ा अंतर पैदा कर सकती है। चेन्नई की काली मिट्टी वाली पिच पर टीम मैनेजमेंट सही संयोजन की तलाश में है। पेस और स्पिन का अनोखा मिश्रण रिचर्ड नगारा के फिट होकर लौटने से जिम्बाब्वे के पास अब तीन लंबे कद के तेज गेंदबाज हैं, जिनकी अगुआई ब्लेसिंग मुजारबानी कर रहे हैं। इसके अलावा टीम के पास स्पिन के लगभग सभी विकल्प मौजूद हैं। इनमें ग्रेम क्रेमर की लेग स्पिन, सिकंदर रजा की ऑफ स्पिन और मिस्ट्री स्पिन और वेलिंगटन मसाकाद्ज़ा की बाएं हाथ की फिंगर स्पिन शामिल हैं। रेयान बर्ल ने कहा, 'हमारे पास कई विकल्प हैं और यही जिम्बाब्वे लाइन-अप का बड़ा फायदा है। हमारे पास लेफ्ट-आर्म सीमर्स हैं, राइट-आर्म सीमर्स हैं, लेग स्पिनर हैं, ऑफ स्पिनर हैं। काफी गहराई है और यह मैच-अप पर निर्भर करेगा कि सामने कौन बल्लेबाज है और हम किस संयोजन के साथ उतरते हैं।' भारत की टीम में कई बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, ऐसे में वेलिंगटन को बाहर बैठना पड़ सकता है, लेकिन सिकंदर रजा नई गेंद से अहम भूमिका निभा सकते हैं। फिट हुए रजा, मुजारबानी बने तुरुप का इक्का वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में सिकंदर रजा की अंगुली पर चोट लगी थी, लेकिन अब उन्हें भारत के खिलाफ मैच के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। अभ्यास सत्र में उन्होंने बिना किसी परेशानी के गेंदबाजी और बल्लेबाजी की।

दक्षिण अफ्रीका-वेस्टइंडीज के बीच मैच से साफ होगी तस्वीर

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज, दोनों टीमें शानदार फॉर्म में चल रही हैं। दोनों ही टीमों ने अपने-अपने पिछले पांच टी20 मुकाबले जीते हैं। दोनों ही टीमें अब तक अजेय हैं। इन दोनों के बीच टक्कर सेमीफाइनल की तस्वीर कुछ हद तक साफ कर देगी। टी20 विश्वकप 2026 में आज दो मुकाबले हैं। भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ अहम मुकाबला है। हालांकि, इससे पहले होने वाले दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच मुकाबले से ही तस्वीर कुछ हद तक साफ हो जाएगी। भारत-जिम्बाब्वे मैच शाम सात

बजे से चेन्नई के चेपॉक में, जबकि दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच मैच दोपहर तीन बजे से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका के लिए अच्छी बात यह है कि उसने भारत के खिलाफ पिछला मुकाबला भी यहीं खेला था। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारत चाहेगा कि एडेन मार्करम की टीम यह मुकाबला जीते। अगर दक्षिण अफ्रीका यह मैच जीतता है और भारत भी जिम्बाब्वे को हराने में कामयाब रहता है तो फिर एक मार्च को भारत-वेस्टइंडीज के बीच वर्चुअल नॉकआउट होगा। इस विश्वकप में वेस्टइंडीज का प्रदर्शन दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज का ग्रुप स्टेज में सफर शानदार रहा। इस टीम ने स्कॉटलैंड के खिलाफ 35 रन से जीत दर्ज करने के बाद इंग्लैंड को 30 रन से हराया। नेपाल के खिलाफ नौ विकेट से जीत दर्ज की और फिर इसके बाद इटली को 42 रन से परास्त किया। अपने पहले सुपर-8 मुकाबले में जिम्बाब्वे को 107 रन से रौंदकर वेस्टइंडीज ने सुपर-8 के ग्रुप-1 में +5.350 नेट रन रेट के साथ पहला स्थान हासिल कर लिया है। इस विश्वकप में द. अफ्रीका का प्रदर्शन दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीकी टीम +3.800 नेट रन रेट के साथ दूसरे पायदान पर है। इस टीम ने कनाडा के खिलाफ अपना पहला मैच 57 रन से जीता था, जिसके बाद अफगानिस्तान को दूसरे सुपर ओवर में मात दी। न्यूजीलैंड को सात विकेट से शिकस्त देने के बाद यूएई के खिलाफ छह विकेट से जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने अपने ग्रुप स्टेज अभियान का अंत शीर्ष पर रहकर किया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ 76 रन से जीत दर्ज करते हुए अपने सुपर-8 अभियान का दमदार आगाज किया। वेस्टइंडीज बनाम दक्षिण अफ्रीका हेड टू हेड दोनों देशों के बीच अब तक 29 बार टी20 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें कांटे की टक्कर देखने को मिली है। वेस्टइंडीज ने इस दौरान 15 मुकाबले अपने नाम किए, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने 14 मैच जीते।

अर्श से फर्श पर श्रीलंका क्रिकेट! पिछले पांच संस्करण में नॉकआउट स्टेज में भी नहीं पहुंच पाई टीम

कोलंबो। मेजबान श्रीलंका टी20 विश्वकप 2026 के सुपर-8 राउंड से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई। न्यूजीलैंड से 61 रन की हार के बाद उसके सेमीफाइनल के सभी रास्ते बंद हो गए। 2014 में चैंपियन बनने के बाद से टीम पिछले पांच संस्करणों में नॉकआउट चरण तक नहीं पहुंच पाई है। कप्तान दासुन शनाका ने घरेलू दर्शकों को निराश करने पर

मायूसी जताई और बल्लेबाजों से अधिक जिम्मेदारी लेने की अपील की। मेजबान श्रीलंका टी20 विश्वकप 2026 के सुपर-8 राउंड से बाहर होने वाली पहली टीम बनी। न्यूजीलैंड के खिलाफ 61 रन की बड़ी हार ने सेमीफाइनल में पहुंचने के उसके सभी रास्तों को बंद कर दिया। ग्रुप स्टेज में श्रीलंका का प्रदर्शन शानदार रहा था। उसने आयरलैंड, ओमान और फिर ऑस्ट्रेलिया को हराकर दबदबा बनाया। हालांकि, पिछले तीन मैचों में टीम जीत की पटरी से उतर गई। जिम्बाब्वे और इंग्लैंड के बाद न्यूजीलैंड से शिकस्त के बाद टीम सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई। 2014 टी20 विश्वकप के बाद से श्रीलंका का सफर इस टूनार्मेंट में अच्छा नहीं रहा है। पिछले पांच संस्करणों से उसका नॉकआउट या सेमीफाइनल स्टेज में पहुंचने का सूखा जारी है। आइए जानते हैं... 2014 में श्रीलंकाई टीम बनी थी चैंपियन 2014 टी20 विश्वकप में दिनेश चांदीमल और लसिथ मलिंगा की अगुआई में महेला जयवर्धने और कुमार संगकारा जैसे दिग्गजों से सजी टीम चैंपियन बनी थी। इसके बाद से टीम का सफर इस टूनार्मेंट में कुछ खास नहीं रहा है। इसके बाद लगातार पांच बार श्रीलंकाई टीम सेमीफाइनल या नॉकआउट में पहुंचने से पहले ही बाहर हुई है। 2016 टी20 विश्वकप में श्रीलंका को सुपर-10 स्टेज से बाहर का रास्ता देखना पड़ा था। उसने सुपर-10 में चार में से सिर्फ एक मैच जीता था। तब श्रीलंकाई टीम वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के साथ एक सुपर-10 ग्रुप में थी। 2021 टी20 विश्वकप में श्रीलंकाई टीम सुपर-12 राउंड से बाहर हो गई थी। उसने सुपर-12 राउंड में पांच में से सिर्फ दो मैच जीते थे। उसके ग्रुप में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, द. अफ्रीका, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश जैसी टीमें थीं। 2022 टी20 विश्वकप में भी श्रीलंकाई टीम सुपर-12 राउंड से बाहर हो गई थी। उसने सुपर-12 में पांच में से दो मैच जीते। उसके ग्रुप में न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और अफगानिस्तान जैसी टीमें थीं। 2024 टी20 विश्वकप में तो श्रीलंकाई टीम पहले राउंड यानी ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी। ग्रुप स्टेज में उसने चार में से एक मैच में जीत हासिल की थी। उसके ग्रुप में दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, नीदरलैंड और नेपाल जैसी टीमें थीं। श्रीलंका का 2014 से पहले का हाल बात अगर 2014 में चैंपियन बनने से पहले की करें तो भी श्रीलंका का प्रदर्शन बेहद कंसिस्टेंट रहा था। 2014 से पहले श्रीलंका की टीम चार संस्करणों में से तीन में नॉकआउट राउंड में पहुंची थी। इनमें से दो फाइनल शामिल हैं। 2007 में श्रीलंकाई टीम सुपर-8 से बाहर हुई थी। 2009 और 2012 में श्रीलंकाई टीम उपविजेता रही थी। 2010 में श्रीलंका की टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। खिताबी रेस से बाहर होने पर श्रीलंकाई कप्तान मायूस न्यूजीलैंड के हाथों 61 रन से हार के बाद कप्तान दासुन शनाका निराश हैं। उनका मानना है कि घरेलू दर्शकों को निराश करना वाकई बहुत शर्मनाक होता है। बुधवार को आर प्रेमदासा स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने सात विकेट खोकर 168 रन बनाए। इस पारी में कप्तान मिचेल सैंटनर (47) और कोल मैककोन्ची (नाबाद 31) के बीच 84 रन की साझेदारी हुई। इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 20 ओवरों में आठ विकेट खोकर 107 रन ही बना सकी। 'घरेलू दर्शकों को निराश करना शर्मनाक' श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका ने कहा, 'घरेलू दर्शकों को निराश करना वाकई बहुत शर्मनाक होता है। वे हमेशा हमारा समर्थन करते रहे हैं। हमने शुरूआत अच्छी की थी, लेकिन सच कहूं तो मिचेल सेंटनर और कोल मैककोन्ची की साझेदारी शानदार रही, जिसने मैच हमसे दूर कर दिया। हमारी योजना उन्हें करीब 130 रनों पर रोकने की थी, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो हमारे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों के सामने भी उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की। इसलिए हमें उन्हें श्रेय देना होगा।' 'बल्लेबाजों को अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी' उन्होंने कहा, 'बल्लेबाजों को शीर्ष क्रम में अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी।

दक्षिण अफ्रीका-वेस्टइंडीज के बीच मैच से साफ होगी तस्वीर

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज, दोनों टीमें शानदार फॉर्म में चल रही हैं। दोनों ही टीमों ने अपने-अपने पिछले पांच टी20 मुकाबले जीते हैं। दोनों ही टीमें अब तक अजेय हैं। इन दोनों के बीच टक्कर सेमीफाइनल की तस्वीर कुछ हद तक साफ कर देगी। टी20 विश्वकप 2026 में आज दो मुकाबले हैं। भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ अहम मुकाबला है। हालांकि, इससे पहले होने वाले दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच मुकाबले से ही तस्वीर कुछ हद तक साफ हो जाएगी। भारत-जिम्बाब्वे मैच शाम सात बजे से चेन्नई के चेपॉक में, जबकि दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच मैच दोपहर तीन बजे से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका के लिए अच्छी बात यह है कि उसने भारत के खिलाफ पिछला मुकाबला भी यहीं खेला था। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारत चाहेगा कि एडेन मार्करम की टीम यह मुकाबला जीते। अगर दक्षिण अफ्रीका यह मैच जीतता है और भारत भी जिम्बाब्वे को हराने में कामयाब रहता है तो फिर एक मार्च को भारत-वेस्टइंडीज के बीच वर्चुअल नॉकआउट होगा। इस विश्वकप में वेस्टइंडीज का प्रदर्शन दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज का ग्रुप स्टेज में सफर शानदार रहा। इस टीम ने स्कॉटलैंड के खिलाफ 35 रन से जीत दर्ज करने के बाद इंग्लैंड को 30 रन से हराया। नेपाल के खिलाफ नौ विकेट से जीत दर्ज की और फिर इसके बाद इटली को 42 रन से परास्त किया। अपने पहले सुपर-8 मुकाबले में जिम्बाब्वे को 107 रन से रौंदकर वेस्टइंडीज ने सुपर-8 के ग्रुप-1 में +5.350 नेट रन रेट के साथ पहला स्थान हासिल कर लिया है। इस विश्वकप में द. अफ्रीका का प्रदर्शन दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीकी टीम +3.800 नेट रन रेट के साथ दूसरे पायदान पर है। इस टीम ने कनाडा के खिलाफ अपना पहला मैच 57 रन से जीता था, जिसके बाद अफगानिस्तान को दूसरे सुपर ओवर में मात दी। न्यूजीलैंड को सात विकेट से शिकस्त देने के बाद यूएई के खिलाफ छह विकेट से जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने अपने ग्रुप स्टेज अभियान का अंत शीर्ष पर रहकर किया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ 76 रन से जीत दर्ज करते हुए अपने सुपर-8 अभियान का दमदार आगाज किया। वेस्टइंडीज बनाम दक्षिण अफ्रीका हेड टू हेड दोनों देशों के बीच अब तक 29 बार टी20 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें कांटे की टक्कर देखने को मिली है। वेस्टइंडीज ने इस दौरान 15 मुकाबले अपने नाम किए, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने 14 मैच जीते। दोनों टीमों के बीच पिछली भिड़ंत 31 जनवरी को तीन मैचों की टी20 सीरीज के दौरान हुई थी, जिसमें वेस्टइंडीज ने छह रन से जीत हासिल की थी। हालांकि, यह सीरीज दक्षिण अफ्रीका ने 2-1 से अपने नाम की थी। टी20 विश्वकप में पांच बार भिड़ीं दोनों टीमें टी20 विश्वकप में दोनों टीमें पांच बार आमने-सामने आ चुकी हैं। इसमें से दक्षिण अफ्रीका ने चार मुकाबले जीते हैं, जबकि वेस्टइंडीज को एक बार जीत मिली है। वेस्टइंडीज ने पिछली और आखिरी बार टी20 विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका को साल 2016 में हराया था। तब वेस्टइंडीज ने नागपुर में तीन विकेट से जीत दर्ज की थी और फिर खिताब भी अपने नाम किया था। संयोग की बात यह है कि तब भी टी20 विश्वकप मैच भारत में ही खेला गया था और इस बार भी दोनों के बीच टी20 विश्वकप मुकाबला भारत में ही है। ऐसे में वेस्टइंडीज के खिलाड़ी 10 साल के इंतजार को खत्म करना चाहेंगे। पिच और मौसम अहमदाबाद में एक बार फिर भीषण गर्मी वाला दिन रहने की संभावना है। दोपहर तीन बजे मैच की शुरूआ है और इस समय खिलाड़ियों को गर्म मौसम से कोई राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। इस मुकाबले के लिए पिच नंबर सात फिक्स की गई है, जो लाल मिट्टी की सतह है। लाल मिट्टी की पिच पर आमतौर पर अतिरिक्त उछाल (बाउंस) देखने को मिलता है, हालांकि पिछले मैच में ऐसा ज्यादा नजर नहीं आया था।

दो बदलावों के साथ उतरेगा भारत, तिलक और सुंदर का कटेगा पत्ता

चेन्नई। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 में भारत और जिम्बाब्वे के लिए यह मुकाबला सेमीफाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने वाला करो या मरो मैच है। भारतीय टीम बदलाव के साथ बड़ी जीत की तलाश में उतरेगा, जबकि जिम्बाब्वे की टीम उलटफेर कर टूनार्मेंट में बने रहने की कोशिश करेगा। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 चरण में गुरुवार को भारत और जिम्बाब्वे आमने-सामने होंगे। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम है। एक ओर भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका से करारी हार का झटका लगा, तो दूसरी ओर जिम्बाब्वे की टीम भी वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी शिकस्त झेल चुकी है। ऐसे में चेन्नई के चेपॉक में होने वाला यह मुकाबला रोमांचक होने की पूरी उम्मीद है। कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारतीय टीम अब सेमीफाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए न सिर्फ जीत, बल्कि बड़े अंतर से जीत दर्ज करना चाहेगी ताकि नेट रन रेट सुधर सके। भारत और जिम्बाब्वे का हेड-टु-हेड रिकॉर्ड शानदार है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं। इनमें भारत ने 10 मैच जीते हैं जबकि जिम्बाब्वे सिर्फ तीन मैच ही जीत पाया है। प्लेइंग 11 में बदलाव की संभावना, सैमसन की हो सकती है वापसी अभिषेक शर्मा लगातार तीन पारियों में शून्य पर आउट हुए हैं, जबकि तिलक वर्मा का स्ट्राइक रेट चिंता का विषय रहा है। बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक पहले ही इस बात के संकेत दे चुके हैं कि संजू सैमसन को प्लेइंग 11 में शामिल किए जाने पर विचार किया जा सकता है। दरअसल, ईशान और अभिषेक बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। इसके बाद तीसरे नंबर पर आने वाले तिलक वर्मा भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। वहीं, दूसरी टीमें लगातार स्पिनर्स का इस्तेमाल कर रही हैं। ऐसे में बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अगर सैमसन की प्लेइंग 11 में वापसी होती है तो वह अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग करते नजर आ सकते हैं।

लखनऊ के प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. पी. सी. गुप्ता को भारतीय डिजाइन पेटेंट प्राप्त

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ स्थित प्रख्यात अर्थशास्त्री एवं विभागाध्यक्ष (अर्थशास्त्र) महाकौशल विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश डॉ. पी. सी. गुप्ता को शीर्षक से विकसित नवाचार हेतु भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा डिजाइन पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। यह पंजीकरण डिजाइन अधिनियम, 2000 एवं डिजाइन नियम, 2001 के अंतर्गत प्रदान किया गया है द्य यह अभिनव डिजाइन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (।प्) आधारित उपकरण से संबंधित है, जो व्यवसायिक रणनीति निर्माण (ठनेपदमेे जतंजमहल च्संददपदह) एवं जोखिम पूवार्नुमान (त्पे थ्वतमबेंजपदह) में सहायक है। यह उपकरण आधुनिक आर्थिक विश्लेषण, डेटा आधारित निर्णय-निर्माण तथा संस्थागत प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस उपलब्धि में डॉ. पी. सी. गुप्ता के साथ अन्य सह-आविष्कारकों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इनमें डॉ. महेन्द्र कुमार नामदेव, डॉ. मुस्ताक आलम, पूजा उपाध्याय, डॉ. किरण सचदेवा, डॉ. श्वेता सिंह, सुमोना घोष, विशाल मिश्रा, अवधेश यादव एवं अपराजिता श्रीवास्तव शामिल हैं। डॉ. पी. सी. गुप्ता, जो कि लखनऊ के एक सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं अर्थशास्त्री हैं

प्रियंका चोपड़ा ने शेयर कीं अपनी फिल्म 'द ब्लफ' की शूटिंग की तस्वीरें

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'द ब्लफ' रिलीज हो चुकी है। एक्शन से भरी इस फिल्म की तस्वीरें एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर शेयर कीं। जिनमें वो एक खास अंदाज में नजर आ रही हैं।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा एक ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। उनके जितने फैंस इंडिया में हैं उतने ही विदेशों में भी हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'द ब्लफ' की फोटोज वो कई दिनों से शेयर कर रहीं है। अब एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी फिल्म के बीटीएस मूमेंट भी शेयर किए हैं।

फिल्म के अलग-अलग सीन किए शेयर

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म के बीटीएस मूमेंट्स की कई तस्वीरों साझा की। एक फोटो में जहां उनका टचअप हो रहा है। वहीं दूसरे में वही सीन के लिए तैयार खेतों में नजर आ रही हैं। हर फोटो में वह काफी अलग- अलग नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीरों में वह अपने को-स्टार के साथ दिखाई दीं। प्रियंका के गले में फूलों की माला भी दिखाई दी। वहीं कई फोटोज में निर्देशक उन्हें रोल और सीन समझाते नजर आए।

साथ लिखा फनी कैप्शन

इन तस्वीरों से फैंस को यह भी पता लगता है कि फिल्म समुद्री डाकुओं पर बनी है। प्रियंका ने अपनी इस पोस्ट को एक फनी अंदाज में कैप्शन दिया। उन्होंने लिखा समुद्री डाकुओं को सबसे कम पसंद आने वाला व्यायाम कौन सा है? तख्ते पर चलना। इसके पहले भी प्रियंका ने कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं जिनमें वह एक्शन मोड में नजर आ रही थी। फिल्म से जुड़ी फोटो में वह खून से लथपथ भी दिखाई गई थीं।

'द ब्लफ' हो चुकी है रिलीज

प्रियंका के साथ फिल्म ह्यद ब्लफह्न 26 फरवरी को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉडोर्वा, सफिया ओकले-ग्रीन, वेदांतेन नायडू भी भूमिका निभा रहे हैं। हर भाषा के दर्शकों के लिए यह फिल्म अंग्रेजी,तमिल, तेलुगु, कन्नड़ व मलयालम में भी डब की जाएगी।

शादी के बाद इस आलीशान बंगले में रहेंगी रश्मिका मंदाना, तस्वीरों में देखिए विजय के घर की झलक

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना अब शादी के बंधन मे बंध चुके हैं। आइए देखते हैं शादी के बाद रश्मिका जिस घर में जाएंगी, वो कैसा होगा।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना फिल्म इंडस्ट्री के सफल एक्टर्स में जाने जाते हैं। दोनों आज शादी के बंधन में बंध गए हैं। उन्होंने उदयपुर में शादी की। दोनों एक्टर्स अब तक कई हिट फिल्में कर चुके हैं। दोनों की नेटवर्थ भी 130 करोड़ रुपये से ज्यादा की है। वहीं, विजय देवरकोंडा की बात करें, तो उनकी नेट वर्थ करीब 66 से 70 करोड़ रुपये के बीच बताई जाती है। आइए देखते हैं रश्मिका शादी के बाद जिस घर में आएंगी, वो कैसा होगा।

15 करोड़ का है विजय का बंगला

विजय देवरकोंडा का हैदराबाद के जुबली हिल्स में लगभग 15 करोड़ रुपये का लग्जरी बंगला है। वे ज्यादातर वहीं अपने माता-पिता के साथ रहते हैं। रश्मिका भी शादी के बाद इसी घर में रहेंगी।

त्योहारों पर परिवार के साथ करते हैं पूजा

विजय देवरकोंडा अक्सर त्योहारों में अपने परिवार के साथ पूजा-पाठ करते रहते हैं। साथ ही वे अपनी तस्वीरें भी फैंस के साथ शेयर करते हैं। इनमें वे पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ त्योहार मनाते और परिवार के साथ खुश नजर आते हैं।

घर के गार्डन में करते हैं इंजॉए

विजय के घर में एक गार्डन भी हैं, जहां वे अपने परिवार और भाई के साथ समय बिताते नजर आते हैं। इस गार्डन को देख हरे-भरे पेड़ों की हरियाली और सुकून का फील आता है। उन्होंने एक तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें वे माता-पिता और भाई के साथ गार्डन में बैठकर चाय-नाश्ता करते नजर आ रहे हैं।

'द केरल स्टोरी 2' के मेकर्स को झटका, रिलीज से एक दिन पहले केरल हाईकोर्ट ने लगाई रोक; 15 दिन के लिए टली फिल्म

फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' पर अभी भी विवाद जारी है। केरल हाई कोर्ट ने फिल्म को रिलीज न करने को कहा है। आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला?

केरल हाई कोर्ट ने गुरुवार को फिल्म 'द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड' की रिलीज पर अंतरिम रोक लगा दी है। केरल हाई कोर्ट ने गुरुवार को फिल्म केरल स्टोरी 2 की रिलीज पर 15 दिनों के लिए रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में ऐसा लगता है कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म को सर्टिफिकेट देते हुए सोच-समझकर काम नहीं लिया। जस्टिस बेचू कुरियन थॉमस ने फिल्म की रिलीज को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं पर यह आदेश दिया। फिल्म 27 फरवरी को रिलीज होने वाली थी।

गाइडलाइंस का नहीं हुआ पालन

कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि फिल्म से सामाजिक सौहार्द न बिगड़े, यह पक्का करने के लिए बनाई गई गाइडलाइंस का सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने पालन नहीं किया।

याचिकाओं में क्या है?

हाईकोर्ट में दायर याचिकओं में 'द केरल स्टोरी 2' के मेकर्स को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (उइत्रछ) से मिले सर्टिफिकेशन को चुनौती दी गई थी। इन याचिकाओं में दावा किया गया कि फिल्म में केरल को गलत तरीके से दिखाया गया। इससे कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है।

भाईचारा बिगड़ने का दिया हवाला

फिल्म की रिलीज को चुनौती देने वाली याचिकाओं में, याचिकाकर्ता ने कहा कि फिल्म का टाइटल और प्रमोशनल मटीरियल दोनों ही केरल को गलत तरीके से दिखाते हैं। उनमें ऐसे थीम हैं जो भाईचारा बिगाड़ सकते हैं और कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगाड़ सकते हैं। एक याचिका में टाइटल से 'केरल' हटाने के लिए भी निर्देश देने की मांग की गई थी।

ट्रेलर रिलीज के बाद मचा हंगामा

विपुल अमृतलाल शाह के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' को ट्रेलर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर कड़े रिएक्शन मिले। फिल्म के एक सीन पर यूजर्स ने कड़ी आपत्ति जताई थी। इसमें जबरदस्ती एक महिला को प्रतिबंधित मांस खिलाया जाता है।

अदालत ने फिल्म देखने की जताई इच्छा

मंगलवार को केरल हाई कोर्ट ने फिल्म देखने की इच्छा जताई थी। मेकर्स ने अदालत से कहा कि 'द केरल स्टोरी 2' ने उइत्रछ से स्वीकृति ली है। इसके बाद याचिकाकताओं ने उइत्रछ की तरफ से स्वीकृति दिए जाने पर भी सवाल उठाए हैं।

अली अब्बास जफर ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग, अहान पांडे निभाएंगे लीड रोल; यह एक्ट्रेस होगी फीमेल लीड

फिल्ममेकर अली अब्बास जफर ने अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है और ये भी खुलासा कर दिया है कि फिल्म में लीड रोल में कौन रहेगा।

फिल्ममेकर अली अब्बास जफर ने अपनी नई एक्शन-रोमांस फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी।

यह एक्टर निभाएगा लीड रोल

अली अब्बास जफर की इस फिल्म में उनके साथ लीड रोल में अहान पांडे नजर आएंगे, जिनकी पिछली फिल्म सैयारा ने जबरदस्त सफलता हासिल की थी। यह अहान की दूसरी बॉलीवुड फिल्म होगी। फिल्म का पहला शूटिंग शेड्यूल मुंबई में लगभग एक महीने तक चलेगा।

सोमवार को अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर अहान के साथ एक तस्वीर शेयर कर शूटिंग की शुरूआत का ऐलान किया। तस्वीर में अहान ब्लैक आउटफिट और लेदर जैकेट में काफी डैपर नजर आए, वहीं अली अब्बास जफर भी ऑल-ब्लैक लुक के साथ ब्राउन जैकेट में दिखे। यह फोटो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है।

शरवरी होंगी फीमेल लीड

इस फिल्म में अहान के अपोजिट शरवरी नजर आएंगी। रिपोट्र्स के मुताबिक, मई 2026 में फिल्म की टीम लंदन शेड्यूल के लिए रवाना होगी, जहां एक बड़े एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग पांच दिनों तक चलेगी। बताया जा रहा है कि अहान ने इस फिल्म के लिए कड़ी तैयारी की है, जिसमें हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और हथियारों की ट्रेनिंग शामिल है। यह फिल्म उन्हें ह्यसैयाराह्न से बिल्कुल अलग अवतार में पेश करेगी।

कब रिलीज होगी फिल्म

निमार्ता जुलाई 2026 तक फिल्म की शूटिंग पूरी करने की योजना बना रहे हैं और इसे 2027 की शुरूआत में रिलीज करने का लक्ष्य है। वहीं खबरें यह भी हैं कि ऐश्वर्य ठाकरे, जिन्होंने ह्यनिशांचीह्न से बॉलीवुड डेब्यू किया था, इस फिल्म में विलेन की भूमिका निभा सकते हैं।

प्रेग्नेंसी के बाद सिंगर रिहाना की बॉडी शेमिंग पर नाराज हुई इलियाना डिक्रूज, बोलीं- यह बात गुस्सा दिलाती है

इलियाना डिक्रूज अक्सर ही खुलकर कई मुद्दों पर अपनी राय रखती है। हाल ही में उन्होंने सिंगर रिहाना की बॉडी शेमिंग

पर नाराजगी दिखाई। ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया है। जानिए, क्या बोलीं इलियाना डिक्रूज?

हाल ही में इलियाना डिक्रूज ने अपने इंस्टाग्राम पर सिंगर रिहाना को सपोर्ट किया। जो लोग उनकी ट्रोलिंग कर रहे थे, उनको इलियाना डिक्रूज ने खूब खरी-खोटी सुनाई।

रिहाना को लोगों ने किया ट्रोल

हाल ही में प्रेग्नेंसी के बाद रिहाना अपने बेटे के साथ नजर आई। उनका लुक देखकर कई लोगों ने कहा कि वह क्यों वापस शेप में नहीं आई। इस बात पर इलियाना नाराज हो गई। इसलिए इंस्टाग्राम पर उन्होंने एक पोस्ट किया। वह लिखती हैं, ह्यउन्होंने एक बच्चा पैदा किया और उस बच्चे को जन्म दिया। उसे हेल्दी रख रही हैं। फिर भी सवाल यह है कि वह अभी तक बाउंस बैक क्यों नहीं कर पाई हैं? यह बहुत गुस्सा दिलाने वाली अवास्तविक उम्मीदें।

बेटी मालती मैरी के जन्म के समय को याद कर भावुक हुई प्रियंका चोपड़ा, बोलीं- 'मंत्रों का जाप

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस का जन्म 27 सप्ताह में हुआ था। मालती के जन्म के बाद उन्हें एनआईसीयू में 100 दिनों से ज्यादा दिन रखा गया था। हाल ही में प्रियंका ने मालती के जन्म का अनुभव शेयर किया।

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस एक साहसी बच्ची है। उसका जन्म तय समय से पहले सिर्फ 27 हफ्ते में हो गया था। सरोगेसी के जरिए उसकी पैदाइश हुई थी। परिवार ने 15 जनवरी 2022 को उसके जन्म की खबर बताई थी। हाल ही में एक पॉडकास्ट में प्रियंका ने बताया कि अस्पताल में पहली बार अपनी बेटी मालती को देखने का उनका अनुभव कैसा था।

मालती के जन्म के दौरान कैसी थी प्रियंका की हालत

जय शेट्टी के पॉडकास्ट पर, प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि मालती के जन्म के बाद उन्हें 100 दिनों से ज्यादा समय तक अस्पताल के ठक्न्व में रखना गया था। यह उनके लिए बहुत मुश्किल दौर था। प्रियंका और निक ने बताया कि मीडिया को किसी शख्स से इसकी खबर मिल गई थी, इसलिए उन्हें मजबूरी में जन्म की घोषणा करनी पड़ी। वे तैयार नहीं थे क्योंकि बच्ची की हालत ठीक होने का पूरा भरोसा नहीं था।

मातली के लिए मंत्रों का जाप करती थीं प्रियंका

प्रियंका ने जब जन्म के बाद पहली बार मालती को देखा तोउनकी आंखों में आंसू आ गए। बच्ची का रंग बैंगनी था और वह बिल्ली के बच्चे जैसी छोटी-छोटी आवाज निकाल रही थी। ठक्न्व में सिर्फ एक माता-पिता को ही अंदर जाने की इजाजत थी। प्रियंका और निक ने तीन महीने तक सब कुछ छोड़कर अस्पताल में बिताए। निक गिटार बजाकर उसके लिए गाने गाते थे। प्रियंका अपने आईपॉड पर गाने चलाती थीं। मालती के पालने में महामृत्युंजय मंत्र, गायत्री मंत्र और ऊं नमः शिवाय धीरे-धीरे पढ़े जाते थे। प्रियंका ने बताया कि मालती बहुत प्यारी और अनमोल है, उसका इस दुनिया में आना बहुत कठिन सफर था।

मालती खुद को बुलाती हैं इंडियन प्रिंसेस

इस साल मालती जनवरी में चार साल की हो गई है। प्रियंका उन्हें भारतीय संस्कृति से जोड़ने की पूरी कोशिश करती हैं। जब मालती घाघरा-चोली, बिंदी और चूड़ियां पहनती है, तो खुद को 'इंडियन प्रिंसेस' कहती हैं। प्रियंका ने 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' में यह प्यारा किस्सा बताया था। वह जब भी मालती को भारत लाती हैं और तो उन्हें भारतीय परंपराओं से परिचित कराती हैं। प्रियंका और निक ने 2018 में राजस्थान में शादी की थी, जिसमें हिंदू और ईसाई दोनों रस्में शामिल थीं।

भाजपा प्रदेश संगठन में बढ़ेगी महिलाओं, दलित और ओबीसी की भागेदारी, होली के बाद होगा ऐलान

लखनऊ,(संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई प्रदेश कार्यकारिणी का ऐलान होली के बाद किया जा सकता है। पार्टी संगठन में इस बार नए चेहरों को मौका देने की तैयारी है। खासतौर पर महिलाओं, दलितों और ओबीसी वर्ग की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी मिलने के बाद नई टीम की औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी। लंबी संगठनात्मक प्रक्रिया के बाद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में नई कार्यकारिणी लगभग तैयार है। बचे हुए कई मंडल अध्यक्षों के नाम मंगलवार और बुधवार को घोषित कर दिए गए हैं। बाकी जिलाध्यक्षों और प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा भी इसी सप्ताह होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह केंद्रीय नेतृत्व से लगातार चर्चा कर रहे हैं। ज्यादातर नामों पर सहमति बन चुकी है। अंतिम मंजूरी मिलते ही नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी। पार्टी नई टीम में क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही है। पूर्वांचल के साथ-साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नेताओं को भी उचित प्रतिनिधित्व देने पर विचार किया जा रहा है। पार्टी का लक्ष्य नए और सक्रिय चेहरों को आगे लाकर संगठन को मजबूत करना है। सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन के जरिए भाजपा आगामी चुनावों के लिए अपनी तैयारियों को और मजबूत करना चाहती है। इसलिए जिला कार्यकारिणी के गठन में भी महिलाओं, दलितों और ओबीसी को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप के भाषण को कमला हैरिस ने झूठा बताया, अमेरिकियों को गुमराह करने का लगाया आरोप

अमेरिका। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण दिया। इस पर अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के भाषण को झूठ से भरा बताया। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे झूठ से भरा हुआ बताया। इसके साथ ही उन पर अर्थव्यवस्था, मतदान के अधिकार और ईरान के मुद्दों पर अमेरिकियों को गुमराह करने का आरोप लगाया। ट्रंप के भाषण के एक दिन बाद, हैरिस ने बुधवार (स्थानीय समय) को अपने सबस्टैक शो द पारनास पर्सपेक्टिव के होस्ट आरोन पारनास को बताया कि उन्होंने भाषण देखा और पाया कि यह आम परिवारों के सामने आने वाली वास्तविकताओं से अलग था। उन्होंने कहा ह्लमैंने इसे देखा। यह झूठ से भरा हुआ था। इसके साथ ही उन्होंने ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया कि जिसमें उन्होंने कहा था कि देश की स्थिति मजबूत है। हैरिस ने कहा, बिल्कुल नहीं ₹मैं आपको बता दूं... बहुत से लोग बढ़ती कीमतों, महंगी स्वास्थ्य सेवाओं और महंगे आवास के बोझ तले दबे हुए हैं। मिसिसिपी में एक मां से मिलने का किस्सा सुनाया इसके साथ ही उन्होंने हाल ही में दक्षिणी राज्यों की अपनी यात्राओं का वर्णन किया। उन्होंने मिसिसिपी में एक ऐसी मां से मिलने का किस्सा सुनाया, जिसका चार लोगों के लिए साप्ताहिक किराने का बजट मात्र 150 डॉलर था। हैरिस ने कहा, ₹कार्ट में जो कुछ भी था, वह उसके बच्चों के लिए ही था,₹ और आगे बताया कि उस मां ने उनसे कहा कि जो कुछ भी उनके बच्चे नहीं

खाएंगे, वह खुद खा लेगी। ₹वह बोतलबंद पानी लेने के लिए चलकर गई क्योंकि वह नल का पानी नहीं पी सकती, क्योंकि पानी भूरा और जहरीला है। यही है अमेरिका। हैरिस ने प्रस्तावित खर्च प्राथमिकताओं की भी आलोचना की। उन्होंने पूछा, ₹जब आप मेडिकेड में 1 ट्रिलियन डॉलर की कटौती करते हैं, तो इससे किसके लिए आवाज उठती है? वहीं दूसरी ओर, अमेरिका के सबसे अमीर लोगों के लिए 1 ट्रिलियन डॉलर की टैक्स कटौती की जा रही है। यही हमारे देश में अभी हो रहा है।₹ मतदान के अधिकारों के मुद्दे पर, हैरिस ने सेव एक्ट का कड़ा विरोध किया, जिसे ट्रंप ने कांग्रेस से पारित करने का आग्रह किया था। उन्होंने तर्क दिया कि इस उपाय के तहत लोगों को मतदान के लिए पंजीकरण कराने हेतु जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट दिखाना अनिवार्य होगा। वहीं, उन्होंने दावा किया कि लगभग 40 प्रतिशत अमेरिकियों के पास ये दस्तावेज नहीं हैं अमेरिकी लोग एक और युद्ध के लिए तैयार नहीं विदेश नीति पर बात करते हुए, हैरिस ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने पहले दावा किया था कि उन्होंने उनके कार्यक्रम को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। इसे पूरी तरह से बकवास बताया। उन्होंने कहा कि अब वह इस क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों को भेज रहे हैं, जिससे यह बहुत संभव है कि अमेरिकी पुरुषों और महिलाओं को युद्ध में तैनात किया जाएगा।₹ हैरिस ने आगे कहा, ह्लअमेरिकी जनता एक और युद्ध नहीं चाहती और न ही वे अपने बेटों और बेटियों को ऐसी कार्रवाई शुरू करने के लिए भेजना चाहते हैं जिसे टाला जा सकता है और जो कि संभव भी है। क्या है स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा कांग्रेस को दिया जाने वाला वार्षिक भाषण है, जिसमें विधायी प्राथमिकताओं की रूपरेखा प्रस्तुत की जाती है। देश की स्थिति का आकलन किया जाता है। यह अक्सर चुनावों से पहले घरेलू और विदेश नीति संबंधी बहसों की दिशा तय करता है। 2026 के मध्यावधि चुनाव कांग्रेस पर किसका नियंत्रण होगा, यह तय करेंगे। इन्हें व्यापक रूप से मौजूदा राष्ट्रपति के एजेंडे पर जनमत संग्रह के रूप में देखा जाता है और ये अमेरिकी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नीति की दिशा को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

यूक्रेन संकट के राजनीतिक समाधान की मांग, चीन ने कहा- देशों की प्रादेशिक अखंडता का सम्मान जरूरी

न्यूयॉर्क। चीन ने कहा है कि रूस यूक्रेन युद्ध का स्थायी समाधान होना चाहिए। चीन ने संयुक्त राष्ट्र की एक बैठक में कहा कि राजनीतिक तरीके से ही इस संकट का समाधान हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र स्थित चीनी स्थायी मिशन के राजनयिक थंग फेइ ने एक आपात विशेष यूएन महासभा में यूक्रेन संकट के

राजनीतिक समाधान की मांग की। शांति के समर्थन पर फैसले का मसौदा पारित होने के बाद अपने भाषण में थंग फेइ ने कहा कि वर्तमान नाजुक वक्त में चीन को इंतजार है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय संकट के राजनीतिक समाधान के लिए लाभकारी वातावरण तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि यूएन महासभा शांति के लिए रचनात्मक भूमिका निभाएगी। चीन इस संकट के राजनीतिक समाधान के लिए सकारात्मक कोशिश जारी रखेगा। चीनी राजनयिक ने क्या-क्या कहा थंग फेइ ने कहा कि चीन अभी यूएन महासभा के फैसले मसौदे पर मतदान से अलग हुआ है। चीन का हमेशा से विचार है कि विभिन्न देशों की प्रभुसत्ता और प्रादेशिक अखंडता का सम्मान करना जरूरी है, और साथ ही यूएन चार्टर के सिद्धांतों का पालन करना है। विभिन्न पक्षों की सुरक्षा चिंताओं को महत्व देना है और संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए लाभदायक सभी कोशिशों का समर्थन करना चाहिए। थंग फेइ ने कहा कि समस्या का जड़ से समाधान करना चाहिए ताकि अधिक संतुलित, प्रभावी और सतत यूरोपीय सुरक्षा ढांचा बन जाए। यूएन महासभा ने यूक्रेन की चिरस्थायी शांति के समर्थन का फैसला, पक्ष में 107, विपक्ष में 7 और अनुपस्थिति में 51 मतों से पारित किया। जेलेंस्की ने ट्रंप से की बात जिनेवा में होने वाली महत्वपूर्ण बैठक से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने फोन पर विस्तार से चर्चा की। इस बातचीत का मुख्य उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने का रास्ता खोजना है। यूक्रेनी राष्ट्रपति का मानना है कि इन बैठकों के माध्यम से बातचीत को शीर्ष नेताओं के स्तर तक ले जाने का मौका मिलेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुश्किल और संवेदनशील मुद्दों को सुलझाने और युद्ध को पूरी तरह खत्म करने का यही एकमात्र प्रभावी तरीका है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी इन शांति प्रयासों का समर्थन किया है।

जिनेवा बैठक से पहले ट्रंप और जेलेंस्की ने फोन पर की बातचीत

कीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फोन पर युद्ध खत्म करने को लेकर चर्चा की। उन्होंने जिनेवा बैठक और मार्च में होने वाले सत्र की तैयारियों पर बात की। जेलेंस्की ने अमेरिकी सैन्य मदद की सराहना की और कहा कि शांति के लिए बातचीत को बड़े नेताओं के स्तर पर ले जाना जरूरी है। जिनेवा में होने वाली महत्वपूर्ण बैठक से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने फोन पर विस्तार से चर्चा की। इस बातचीत का मुख्य उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने का रास्ता खोजना है। जेलेंस्की ने दी जानकारी जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस बातचीत की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस कॉल में ट्रंप के साथ उनके विशेष दूत स्टीव विटकॉफ

और जेरेड कुशनर भी शामिल थे। जेलेंस्की ने शांति बहाली की कोशिशों में ट्रंप और उनकी टीम की सक्रिय भागीदारी के लिए उनका आभार व्यक्त किया। द्विपक्षीय बैठक पर हुई चर्चा दोनों नेताओं ने जिनेवा में होने वाली द्विपक्षीय बैठक के कार्यसूची पर चर्चा की। इसके साथ ही मार्च की शुरूआत में होने वाले त्रिपक्षीय सत्र की तैयारियों को लेकर भी बात हुई। जेलेंस्की ने कहा कि वे 'पीयूआरएल' पहल को बहुत महत्व देते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यूक्रेन ने अमेरिका से जो एयर डिफेंस मिसाइलें खरीदी हैं, वे इस कठिन सर्दी में लोगों की जान बचाने और चुनौतियों का सामना करने में बहुत मददगार साबित हो रही हैं। बातचीत को शीर्ष नेताओं के स्तर तक ले जाना जरूरी यूक्रेनी राष्ट्रपति का मानना है कि इन बैठकों के माध्यम से बातचीत को शीर्ष नेताओं के स्तर तक ले जाने का मौका मिलेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुश्किल और संवेदनशील मुद्दों को सुलझाने और युद्ध को पूरी तरह खत्म करने का यही एकमात्र प्रभावी तरीका है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी इन शांति प्रयासों का समर्थन किया है। इससे पहले मंगलवार को जेलेंस्की ने रूस के हमले के चार साल पूरे होने पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने केवल तीन दिनों में कीव पर कब्जा करने की कोशिश की थी, लेकिन यूक्रेन ने अपनी आजादी को बरकरार रखा। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेन के कड़े प्रतिरोध ने मॉस्को के शुरूआती मंसूबों को पूरी तरह नाकाम कर दिया है। उन्होंने इस संघर्ष के दौरान यूक्रेन के लोगों के साहस और बलिदान की भी सराहना की।

ब्राजील में भीषण बाढ़ से हाहाकार, अब तक 46 लोगों की मौत

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील में भीषण बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है। अब तक बाढ़ से 46 लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों लोग अपने घरों को छोड़कर चले गए हैं। सड़कों पर बाढ़ का पानी भरा हुआ है। जिससे हर तरफ दर्दनाक मंजर नजर आ रहा है। दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील में कुदरत का भयानक कहर देखने को मिल रहा है। दक्षिण-पूर्व ब्राजील में भीषण बाढ़ से लगातार मृतकों का आंकड़ा बढ़ रहा है। अब तक 46 लोगों की मौत हो गई। कई लोग लापता है, जिनको तलाश जारी है। वहीं सैकड़ों लोग अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर है। दक्षिणपूर्वी ब्राजील के मिनास गैरैस राज्य में आई भीषण बाढ़ में लगातार मृतकों का आंकड़ा बढ़ रहा है। भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से हाहाकार ब्राजील के दक्षिणी भाग में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से तबाही मचने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों में इस क्षेत्र में और अधिक बारिश होने की आशंका है। इधर, मिनास गेरैस राज्य में बचाव अभियान

जारी है। बचाव कर्मचारी स्थिति पर काबू पाने के लिए कोशिश कर रहे हैं। बचाव अभियान पूरी तेजी से जारी है और घर व कस्बे कीचड़ और मलबे से ढके हुए हैं। अब तक 3600 लोग विस्थापित इससे पहले बुधवार को ब्राजील के अग्निशमन विभाग ने मृतकों की संशोधित संख्या प्रकाशित की और बताया कि लगभग 21 लोग अभी भी लापता हैं। राज्य अग्निशमन विभाग द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार ब्राजील के दक्षिणपूर्वी राज्य मिनास गेरैस में भारी बारिश से मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है। दमकल विभाग ने बताया कि लगभग 110 किलोमीटर (68 मील) की दूरी पर स्थित जुइज डे फोरा और उबा शहरों में बाढ़ और भूस्खलन के कारण लगभग 3,600 लोग विस्थापित हो गए, जबकि 21 लोग अभी भी लापता हैं। 11 वर्षीय लड़के का किया अंतिम संस्कार मृतकों में 11 वर्षीय बर्नार्डो लोपेस दुत्रा भी शामिल था, जिसका घर बारिश के कारण ढह गया था। वहीं दुत्रा की पत्नी और बेटी अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। पिता रिकार्डो दुत्रा ने जुइज डी फोरा ने अंतिम संस्कार के दौरान कहा कि यह एक ऐसी त्रासदी है, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी।

क्यूबा की फायरिंग से बढ़ा तनाव, अमेरिका में रजिस्टर्ड नाव पर गोलीबारी से चार की मौत

हवाना (क्यूबा)। स्पीड बोट पर फायरिंग के बाद क्यूबा और अमेरिका में तनाव बढ़ सकता है। क्यूबा सरकार ने बुधवार देर रात कहा कि उसके सैनिकों पर गोली चलाने वाली नाव में सवार 10 यात्री अमेरिका में रहने वाले सशस्त्र क्यूबाई नागरिक थे, जो द्वीप में घुसपैठ करने और आतंकवाद फैलाने की कोशिश कर रहे थे। कैरिबियाई सागर में स्थित द्वीपीय देश क्यूबा और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। यह तनाव बुधवार (25 फरवरी) देर रात फ्लोरिडा से आ रही एक नाव पर गोलीबारी की घटना के बाद हुआ है। क्यूबा सरकार के मुताबिक फ्लोरिडा से आ रही एक नाव ने उसके सैनिकों पर गोलीबारी

की, जिसके परिणामस्वरूप झड़प शुरू हुई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। 'बोट पर सशस्त्र क्यूबाई नागरिक थे', क्यूबा सरकार का दावा क्यूबा सरकार ने बुधवार देर रात कहा कि उसके सैनिकों पर गोली चलाने वाली नाव में सवार 10 यात्री अमेरिका में रहने वाले सशस्त्र क्यूबाई नागरिक थे, जो द्वीप में घुसपैठ करने और आतंकवाद फैलाने की कोशिश कर रहे थे। यह प्रतिक्रिया क्यूबा द्वारा यह कहने के कुछ घंटों बाद आई है कि उसके सैनिकों ने फ्लोरिडा में पंजीकृत एक स्पीड बोट पर सवार चार लोगों को मार डाला और छह अन्य को घायल कर दिया, जो क्यूबा के जलक्षेत्र में प्रवेश कर गई थी और उसने पहले सैनिकों पर गोलीबारी की थी, जिसमें एक क्यूबा अधिकारी घायल हो गया था। अमेरिकी विदेश मंत्री का बयान क्यूबा सरकार ने कहा कि नाव में सवार 10 लोगों में से अधिकांश का 'आपराधिक और हिंसक गतिविधियों का ज्ञात इतिहास है'। इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इससे पहले पत्रकारों को बताया था कि उन्हें इस घटना की जानकारी है और अमेरिका अब यह निर्धारित करने के लिए अपनी जानकारी जुटा रहा है कि पीड़ित अमेरिकी नागरिक थे या स्थायी निवासी। रुबियो ने सेंट किट्स के बासेटेरे हवाई अड्डे पर कहा कि अमेरिकी सरकार के कई अलग-अलग विभाग इस कहानी के उन पहलुओं की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं, जो हमें अभी तक नहीं बताए गए हैं। क्यूबा सरकार ने और क्या बताया? क्यूबा सरकार ने नाव में सवार दो यात्रियों की पहचान अमीजैल सांचेज गोंजालेज और लियोर्डन एनरिक क्रूज गोमेज के रूप में की है, जिनकी क्यूबा के अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय क्षेत्र या अन्य देशों में आतंकवाद से संबंधित कृत्यों को बढ़ावा देने, योजना बनाने, संगठित करने, वित्तपोषण करने, समर्थन करने या अंजाम देने में उनकी संलिप्तता के आधार पर तलाश की जा रही है। सरकार ने कहा कि उसने डुनियल हर्नांडेज सैंटोस को भी गिरफ्तार कर लिया है, और बताया कि उसे संयुक्त राज्य अमेरिका से सशस्त्र घुसपैठियों के स्वागत की गारंटी देने के लिए भेजा गया था, जिसने इस समय अपने कृत्यों को स्वीकार कर लिया है।

परमाणु वार्ता से पहले ट्रंप सरकार का बड़ा कदम, ईरान पर नए प्रतिबंध 30 लोग और कंपनियां शामिल

वॉशिंगटन। अमेरिकी और ईरान के बीच इस हफ्ते होने वाली परमाणु वार्ता से पहले ट्रंप प्रशासन ने ईरान पर नए प्रतिबंध लगाने का एलान किया है। इसके तहत 30 लोगों और कंपनियां पर कई तरह की कार्रवाई की जाएगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ईरान पर एक बार फिर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। ये प्रतिबंध करीब 30 लोगों, कंपनियों और जहाजों पर लगाए गए हैं। अमेरिका का आरोप है कि ये लोग और कंपनियां ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम, ड्रोन

बनाने के काम और चोरी-छिपे तेल बेचने में मदद कर रहे हैं। अमेरिका के वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने इन प्रतिबंधों की घोषणा की। इसमें कुछ ऐसे जहाज भी शामिल हैं जिन्हें ईरान की 'शैडो फ्लीट' कहा जाता है। ये पुराने तेल टैंकर हैं, जिनका इस्तेमाल ईरान पर लगे कड़े प्रतिबंधों के बावजूद गुपचुप तरीके से तेल बेचने के लिए किया जाता है। प्रतिबंध के तहत क्या हुई कार्रवाई? इन प्रतिबंधों का मतलब यह है कि जिन लोगों और कंपनियों पर कार्रवाई हुई है, वे अमेरिका में रखी अपनी किसी भी संपत्ति या बैंक खाते का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। साथ ही, कोई भी अमेरिकी कंपनी या नागरिक इनके साथ कारोबार नहीं कर सकेगा। हालांकि, माना जा रहा है कि इनमें से ज्यादातर लोगों के पास अमेरिका में ज्यादा संपत्ति नहीं है, इसलिए यह कदम ज्यादा प्रतीकात्मक भी माना जा रहा है। परमाणु कार्यक्रम पर जल्द होगी बातचीत अमेरिका और ईरान के बीच इस हफ्ते जिनेवा में परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत होने वाली है। अमेरिकी प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ और ईरानी अधिकारियों के बीच ओमान की मध्यस्थता में यह वार्ता होगी। बातचीत से ठीक पहले अमेरिका का यह कदम दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कहा है कि ईरान को किसी भी हालत में परमाणु हथियार बनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उनका कहना है कि ईरान पहले 60 प्रतिशत तक यूरेनियम शुद्ध कर चुका था, जो हथियार बनाने के स्तर (90 प्रतिशत) से ज्यादा दूर नहीं है। वहीं ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वह हथियार नहीं बना रहा। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि वह ईरान पर अधिकतम दबाव बनाए रखेगा, ताकि वह अपने परमाणु और सैन्य कार्यक्रम को सीमित करने पर मजबूर हो जाए।

बर्फ के गोले पर सियासत, पुलिस ने कहा- हम पर हमला हुआ

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर की सियासत को बर्फ के गोले गरमा रहे हैं। दरअसल, वॉशिंगटन स्क्वायर पार्क में स्नोबॉल फाइट का माहौल शुरू में मस्ती भरा था, लेकिन धीरे-धीरे हालात बिगड़ गए। वहीं जब पुलिस के दो अधिकारी पार्क में पहुंचे तो कई लोगों ने चारों तरफ से उन पर बर्फ के गोले फेंकने शुरू कर दिए। कुछ वीडियो में दिख रहा है कि एक अधिकारी की आंख लाल हो गई थी और वह आंख मलते नजर आया। बाद में पुलिस ने कहा कि कई अधिकारियों के चेहरे, सिर और गर्दन पर चोट लगी, और दो पुलिसकर्मियों को अस्पताल में इलाज कराना पड़ा। पुलिस ने कहा- यह हमला था न्यूयॉर्क में मस्ती भरा था, लेकिन धीरे-धीरे हालात बिगड़ गए। सोशल मीडिया पर डाले गए वीडियो में दिखा कि जब पुलिस के दो अधिकारी पार्क के अंदर पहुंचे तो कई लोगों ने चारों तरफ से उन पर बर्फ के गोले फेंकने शुरू कर दिए। कुछ वीडियो में दिख रहा है कि एक अधिकारी की आंख लाल हो गई थी और वह आंख मलते नजर आया। बाद में पुलिस ने कहा कि कई अधिकारियों के चेहरे, सिर और गर्दन पर चोट लगी, और दो पुलिसकर्मियों को अस्पताल में इलाज कराना पड़ा। पुलिस ने कहा- यह हमला था न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (एनवाईपीडी) और उसकी प्रमुख जेसिका टिश ने इस घटना को शर्मनाक और अपराध बताया। पुलिस यूनियन ने भी बयान जारी कर कहा कि यह सिर्फ खेल नहीं था, बल्कि यह सीधा हमला था। पुलिस अब चार लोगों की तलाश कर रही है। उनकी तस्वीरें जारी की गई हैं और जनता से पहचान में मदद मांगी गई है। मेयर ने कहा- बच्चों की मस्ती थी दूसरी तरफ, न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने इस घटना को ज्यादा गंभीर नहीं माना।

गूगल का चीन के वैश्विक जासूसी नेटवर्क का खुलासा, 53 देशों में की थी साइबर हमलों की कोशिश

न्यूयॉर्क। गूगल ने एक खतरनाक अंतरराष्ट्रीय साइबर जासूसी नेटवर्क को ध्वस्त करने का दावा किया है। तकनीकी कंपनी ने दावा किया कि चीन से जुड़े एक हैकिंग समूह ने विश्व भर के 42 देशों के कम से कम 53 प्रमुख संगठनों के डेटा में सेंध लगाई थी। तकनीकी क्षेत्र की

दिग्गज कंपनी गूगल ने एक बेहद संगठित और खतरनाक अंतरराष्ट्रीय साइबर जासूसी नेटवर्क को ध्वस्त करने का दावा किया है। बुधवार को गूगल ने बताया कि चीन से जुड़े एक हैकिंग समूह यूएनसी2814 (जिसे गैलियम भी कहा जाता है) ने दुनिया भर के 42 देशों के कम से कम 53 प्रमुख संगठनों के डेटा में सेंध लगाई थी। गूगल थ्रेट इंटेलिजेंस ग्रुप के मुख्य विश्लेषक जॉन हल्टक्विस्ट ने कहा कि यह एक विशाल जासूसी तंत्र था, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर व्यक्तियों और विशिष्ट संस्थानों की निगरानी करना था। यह समूह लगभग एक दशक से सक्रिय है। गूगल का दावा: किसी उत्पाद की तकनीकी खामी नहीं... वैसे, गूगल ने स्पष्ट किया कि यह किसी उत्पाद की तकनीकी खामी नहीं, बल्कि प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग था। हैकरों ने ग्रिडटाइड नामक एक गुप्त बैकडोर स्थापित किया था, जिससे उन्हें लोगों के नाम, फोन नंबर, जन्म तिथि, मतदाता पहचान पत्र और नेशनल आईडी जैसे बेहद निजी डेटा तक पहुंच मिल गई थी। कॉल डेटा रिकॉर्ड की चोरी करना था उद्देश्य हल्टक्विस्ट ने कहा कि जासूसी नेटवर्क विशेष रूप से सरकारी संस्थाओं और दूरसंचार कंपनियों को अपना निशाना बनाता रहा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।